CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 238 ता. 17 मार्च 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सलमान खुर्शीद का कपिल सिब्बल पर हमला- गांधी परिवार पार्टी को एक साथ जोड़े रखने वाला कारक

नई दिल्ली।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने बुधवार को गांधी परिवार के नेतृत्व की आलोचना करने के लिए अपने पार्टी सहयोगी कपिल सिब्बल पर पलटवार करते हुए उनसे पूछा कि उन्होंने (कपिल सिब्बल) पार्टी में किसी भी पद के लिए चुनाव कब लड़ा था। संगठन से इतना कुछ मिलने के बावजूद शिकायत करने को थोड़ा दुखद बताते हुए खुर्शीद ने सिब्बल सहित 'ग्रुप ऑफ 23 के हस्ताक्षरकर्ताओं पर भी निशाना साधा जिन्होंने 2020 में सोनिया गांधी को एक पत्र लिखकर पार्टी में व्यापक बदलाव की मांग की थी। खुर्शीद ने कहा कि गांधी परिवार पार्टी को एक साथ जोड़े रखने वाला कारक है और संकट की इस घड़ी में नेतृत्व के लिये सबसे अच्छा विकल्प है। इससे पहले सिब्बल ने कहा कि यह गांधी परिवार के लिए नेतृत्व की भूमिका छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति को मौका देने का समय है। सिब्बल ने एक साक्षात्कार में कहा था कि गांधी परिवार को स्वेच्छा से हट जाना चाहिए क्योंकि उनके द्वारा नामित एक निकाय उन्हें कभी नहीं कहेगा कि उन्हें सत्ता की बागडोर नहीं संभालनी चाहिए। सिब्बल की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए खुर्शीद ने पूछा कि पार्टी में कोई पद पाने के लिये सिब्बल ने चुनाव कब लड़ा था?÷ खुर्शीद ने ऐसे समय में गांधी परिवार का पुरजोर बचाव किया है, जब कांग्रेस हाल के विधानसभा चुनावों में अपनी चुनावी हार के बाद अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। इन पांच राज्यों में उत्तर प्रदेश भी शामिल है जहां उसे सिर्फ दो सीटों पर जीत मिली और बमुश्किल दो प्रतिशत से थोड़े अधिक मत मिले। खुर्शीद के अनुसार, पार्टी के भीतर लोगों से बात करने के बाद आम धारणा यह है कि वे चाहते हैं कि राहुल गांधी पूर्णकालिक पार्टी अध्यक्ष का पद संभालें।

उन्होंने कहा कि हम सभी ईमानदारी से उम्मीद कर सकते हैं कि चुनाव अगस्त में होगा,। उन्होंने कहा कि हम सत्ता में रहने के कुछ हद तक आरामदायक जीवन के आदी रहे हैं क्योंकि यह गांधी परिवार के सदस्यों द्वारा पीढ़ियों से गारंटीकृत था ।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश के बाद अब इस राज्य के कांग्रेस अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

नेशनल डेस्क। मणिपुर में कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष एन. लोकेन सिंह ने पद से इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के समक्ष बुधवार को एक पत्र सौंपते हुए लोकेन ने कहा, ''12वीं मणिपुर विधानसभा 2022 में कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी (आईएनसी) के उम्मीदवारों की हार की जिम्मेदारी लेता हूं, इसलिए मैं आईएनसी के मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के पद से नैतिक आधार पर तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने मणिपुर से कुल पांच सीटें जीती हैं लेकिन लोकेन सीटें जीतने में नाकामयाब रहे। इसी दौरान सोनिया गांधी ने इस राज्य के सभी पांच कांग्रेस नेताओं से पूछा कि ये चुनाव इस्तीफा देने के लिए हुए हैं।

त्यौहारों के दौरान हवाई किरायों में मिले छूट

नई दिल्ली । खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए त्यौहारों के दौरान हवाई किराए में छूट की मांग करते हुए राज्यसभा में सदस्य ने कहा कि इनमें से कई लोग अधिक हवाई किराए की वजह से पिछले दो तीन साल से अपने घर नहीं आ पाए हैं। शून्यकाल के दौरान मुद्दा उठाकर केरल कांग्रेस (एम) के सदस्य जोस के मणि ने कहा खाड़ी देशों में एक अनुमान के अनुसार, करीब 40 लाख भारतीय काम कर रहे हैं, जिसमें केरल से वहां गए लोगों की संख्या अधिक है। वहां काम करने वाले भारतीयों में से ज्यादातर मजदूर हैं। मणि ने कहा कि बीते दो साल तक कोविड के कारण दुनिया के लगभग सभी देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। खाड़ी देश भी इससे प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण फैलने की वजह से लॉकडाउन लागू हुआ लोगों की आवाजाही रुक गई। उन्होंने कहा हालात सामान्य होने के बाद खाड़ी देशों में काम करने गए उन भारतीयों की समस्या दूर नहीं हुई जो मजदूरी करते हैं। त्यौहारों के दौरान ही ये लोग अपने देश आ पाते हैं, लेकिन एयरलाइनों द्वारा व्यस्ततम सीजन में किराए में वृद्धि कर देने की वजह से ये लोग पिछले दो तीन साल से अपने घर नहीं आ सके। मणि ने मोदी सरकार से मांग की कि त्यौहारों के दौरान इन लोगों को हवाई किराए में छूट दी जाए, ताकि ये लोग अपने घर वापस आ सकें।

एलआईसी के आईपीओ के खिलाफ केरल विधानसभा में प्रस्ताव पारित

तिरुवनंतपुरम । केरल विधानसभा ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में हिस्सेदारी बेचने के मोदी सरकार के कदम पर चिंता जताकर सरकार के अधीन बनाए रखने का अनुरोध करते हुए बुधवार को आम सहमति से प्रस्ताव पारित किया है। विधानसभा में प्रस्ताव मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पेश किया। उन्होंने कहा कि एलआईसी को निजी हाथों में देना देश के हित में नहीं होगा और मोदी सरकार को अपने फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए। विजयन ने कहा, ''केंद्र सरकार अपने कृत्य को यह कहकर सही ठहराने का प्रयास कर रही है,कि आर्थिक सार्वजनिक निगम के जरिए केवल पांच फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी और यह निजीकरण नहीं है। विजयन ने कहा, ''केंद्र सरकार अपने कृत्य को यह कहकर सही ठहराने का प्रयास कर रही है,कि आर्थिक सार्वजनिक निगम के जरिए केवल पांच फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी और यह निजीकरण नहीं है। लेकिन यह स्पष्ट है कि अपनी हिस्सेदारी बेचना निजीकरण की दिशा में पहला कदम है और सरकार का असल लक्ष्य यही है।''

होली के मौके पर 17- 18 मार्च को लोस में रहेगा अवकाश

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को सदन में होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगों के इस पर्व के अवसर पर सदन की कार्यवाही 18 मार्च के साथ ही 17 मार्च को भी स्थगित रहेगी, ताकि सदस्य अपने क्षेत्रों में होली मना सकें। उन्होंने सदन में कहा, ''कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में यह विचार दिया गया कि 17 मार्च को कार्यवाही स्थगित की जाए ताकि सदस्य अपने अपने अपने क्षेत्रों में होली का त्योहार मना सकें।'' बिरला ने सदस्यों और देशवासियों को होली की शुभकामनाएं भी दीं। इससे पहले राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने भी कहा था कि उच्च सदन में होली पर 17 और 18 मार्च दो दिन अवकाश रहेगा।

मुस्लिमों ने मुझे अपना दुश्मन मान लिया है, करते हैं धमकी भरे फोन- साध्वी प्रज्ञा

भोपाल।

भोपाल से भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को धमकी भरा फोन आने का मामला सामने आया है। सांसद ने कहना है कि धर्म विशेष के लोगों ने उन्हें अपना दुश्मन मान लिया है और मुझे टारगेट कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश विदेश से उन्हें लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं। हैदराबाद के एक युवक ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। जिसके बाद भोपाल क्राइम ब्रांच ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर हैदराबाद कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने आरोपी पर एफआईआर दर्ज की है। मामले में साध्वी प्रज्ञा अपने बयान दर्ज करवाने जिला कोर्ट पहुंची थी। इस दौरान साध्वी प्रज्ञा ने इसे साजिश बताया और कहा कि कांग्रेस ने उनके ऊपर षड़यंत्र कर मालेगांव ब्लास्ट का आरोप लगाया था। लेकिन एक धर्म विशेष ने उन्हें अपना दुश्मन मान लिया है। साध्वी के बयान के बाद कोर्ट ने आरोपी युवक को 22 मार्च को भोपाल के जिला कोर्ट में पेश होने का नोटिस दिया है।

सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि मुस्लिम वर्ग हमें दुश्मन मानता है और टारगेट करता है। देश और विदेशों से लगातार मुझे धमकी भरे फोन आ रहे हैं। कानून का सहारा लेकर इन कानून का सहारा लेकर इन सब को सजा दिलवाऊंगी। इससे पहले भी मुझे विस्फोटक सामग्री भेजी गई थी। उन्होंने कांग्रेस पर भी गंभीर आरोप लगाए। सांसद ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस लगातार हमारी सरकार को टारगेट करती है।

गडकरी को अफसोस उपायों के बाद भी सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी नहीं

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अफसोस जताया कि विभिन्न उपायों के बाद भी भारत में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में अपेक्षित कमी नहीं आई है, और अब भी इसतरह के हादसों में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु हो रही है। गडकरी ने पूरक सवालों का जवाब देकर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि युद्ध और कोविड के आंकड़ों से तुलना करें,तब सड़क दुर्घटनाओं में ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। उन्होंने इन्हें दुखद बताकर कहा कि इस मामले में भारत का रिकार्ड विश्व के कई देशों की अपेक्षा खराब है। उन्होंने कहा कि मृतकों में भी बड़ी संख्या युवाओं की होती है। उन्होंने कहा कि इस समस्या पर नियंत्रण के लिए काफी काम करने की जरूरत है और इसमें सभी को सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में पहले ड्राइविंग लाइसेंस आसानी से बन जाता था जबकि कई देशों में विभिन्न परीक्षणों के बाद ही लाइसेंस जारी होता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस ओर ध्यान दिया हैं, इसमें डिजिटल सहित कई उपाय किए गए हैं। डीजल व पेट्रोल से चलने वाले वाहनों पर अधिक खर्च आने का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा कि आने वाले समय में वाहनों से जुड़ा परिदृश्य बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन साल में डीजल व पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की संख्या में कमी आएगी और इलेक्ट्रिक सहित विभिन्न वैकल्पिक ईंधनों से चलने वाले वाहनों की संख्या बढ़ेगी।

सुप्रीमकोर्ट ने वन रैंक वन पेंशन को बताया नीतिगत फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीमकोर्ट ने बुधवार को कहा कि सशस्त्र बलों में वन रैंक-वन पेंशन एक नीतिगत फैसला है और इसमें कोई संवैधानिक दोष नहीं है। केंद्र ने 2015 में वन रैंक वन पेंशन डिफेंस सेक्टर में लागू किया था। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि ओआरओपी का केंद्र का नीतिगत फैसला मनमाना नहीं है और सरकार के नीतिगत मामलों में न्यायालय दखल नहीं देगा। पीठ ने निर्देश दिया कि ओआरओपी के फिर से निर्धारित करने की कवायद एक जुलाई, 2019 से की जानी चाहिए और पेंशनभोगियों को बकाया भुगतान तीन महीने में होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने सेवानिवृत्त सैनिक संघ द्वारा दायर उस याचिका का निपटारा किया, जिसमें भगत सिंह कोश्यारी समिति की सिफारिश पर पांच साल में एक बार आवधिक समीक्षा की वर्तमान नीति के बजाय स्वतः वार्षिक संशोधन के साथ 'वन रैंक वन पेंशन' को लागू करने का अनुरोध किया गया था।

द कश्मीर फाइल्स मूवी के लिंक भेजकर साइबर ठग लगा रहे चूना

नई दिल्ली ।

द कश्मीर फाइल्स फिल्म को लेकर इनदिनों पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। बहुत से लोग थियेटर में जाकर मूवी देख चुके हैं, जबकि बहुत से लोग अभी फिल्म देखने का प्लान बना रहे हैं। पूरे देश में मूवी को लेकर दर्शकों का माहौल बहुत अलग नजर आ रहा है। द कश्मीर फाइल्स चला रहे अधिकांश सिनेमाघरों में शो हाउस फुल चल रहे हैं। देश के कई इलाके में सिनेमाघर में द कश्मीर फाइल्स फिल्म के शो की टिकट लोगों को आसानी से नहीं मिल पा रही है। इसके बाद लोग द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखने के लिए अब वैकल्पिक माध्यम की बात जोह रहे हैं। देश के कई राज्यों में द कश्मीर फाइल्म फिल्म पर हो रही हॉट चर्चा के बाद अब हैकर्स ने भी अपनी नजरें इनायत कर दी है। अगर आपके मोबाइल पर भी द कश्मीर फाइल्स मूवी देखने के लिए कोई लिंक आया है,तब आपको उस पर सावधानी से क्लिक करने की जरूरत है। द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखने के लिए कई तरह के लिंक सोशल मीडिया साइट पर भेजे जा रहे हैं। इसमें से अधिकांश लिंक देश के विभिन्न राज्यों से हैकर्स के द्वारा लगातार भेजे जा रहे हैं। द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखने के लिए प्रेरित करने वाले इस लिंक के जरिए हैकर्स आपके बैंक अकाउंट में सेंध लगा रहे हैं। अगर आप भी द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखना चाहते हैं,तब आपको मोबाइल पर आने वाले इस तरह के लिंक को खोलने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। साइबर ठग द कश्मीर फाइल्स फिल्म को देखने के लिए लोगों के मोबाइल पर वीडियो डाउनलोड करने का एक लिंक भेज रहे हैं। इस लिंक को क्लिक करने पर गूगल का एक पेज खुल रहा है। कश्मीर फाइल्स देखने के लालच में लोग पेज पर पर्सनल डिटेल डाल रहे हैं, इसके जरिये साइबर ठग आपके बैंक खाते से ठगी कर रहे हैं। इन दिनों द कश्मीर फाइल्स फिल्म के कई लिंक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं। द कश्मीर फाइल्स मूवी फ्री में देखने के लिए यह लिंक आपके फोन पर भी किसी यह लिंक आपके फोन पर भी किसी व्हाट्स एप ग्रुप में जरूर आया होगा। इस लिंक में लिखा होता है कि आप घर बैठे ही द कश्मीर फाइल्स फिल्म एचडी क्वालिटी में देख सकते हैं। जिनमें द कश्मीर फाइल्स फिल्म दिखाने का दावा किया जा रहा है।

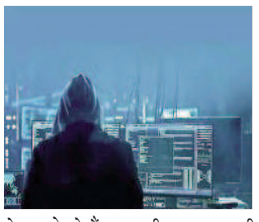

होली से पहले मजदूरों के डेली वेज़ में बिप्लब देब ने की बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

होली से दो दिन पहले खेतों में काम करने वाले मजदूरों के लिए खुशखबरी है। त्रिपुरा सरकार ने चाय के बागानों में काम करने वाले मजदूरों के वेतन में वृद्धि की है। पहले एक मजदूर की दिहाड़ी (डेली वेज़) 105 रुपये थी, जिसे कि बढ़कर 136 रुपये कर दिया गया है। मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने कहा कि इन श्रमिकों का दैनिक वेतन संशोधन के बाद 31 रुपये बढ़कर 136 रुपये हो जाएगा। इस तरह त्रिपुरा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के वेतन में 31 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर त्रिपुरा चा श्रमिक के कार्यकर्ताओं से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने ट्वीट किया, त्रिपुरा चा श्रमिक कार्यकर्ताओं के साथ आवास पर बातचीत की। राज्य के समग्र विकास पर केंद्रित हमारे जन कल्याण कार्यों को और बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं पर उनकी प्रतिक्रिया ली। राज्य में चाय बागानों पर निर्भर 7,000 से अधिक परिवारों को 'मुख्यमंत्री चा श्रमिक कल्याण प्रकल्प' योजना के तहत इस वेतन संशोधन से लाभान्वित होने की उम्मीद है।

जल्दी ही राजधानी-शताब्दी को रिप्लेस करेंगी वंदे भारत ट्रेन तेज होगी रफ्तार

नई दिल्ली ।

आधुनिकता की पटरी पर दौड़ती भारतीय रेल में प्रीमियम राजधानी-शताब्दी ट्रेनों का युग बीतने जा रहा और चरणबद्ध तरीके से उनका स्थान सेमी हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन लेने जा रही हैं। दो कुर्सीयान (चेयरकार) वंदे भारत ट्रेन चलाने के बाद रेल मंत्रालय इस साल शयन (स्लीपर) सुविधा वाली वंदे भारत ट्रेन दौड़ाने की तैयारी कर रहा है। सेमी हाई स्पीड ट्रेन में तमाम खूबियां होंगी, लेकिन रेलवे की सबसे तेज राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन से तीन घंटे पहले पहुंचने के कारण वंदे भारत यात्रियों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनेंगी। ईंधन की खपत कम होने के साथ यात्रियों को सफर का नया अनुभव कराएंगी।रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वंदे भारत तकनीक में प्रत्येक कोच में अपना खुद का इंजन है और पृथक ब्रेकिंग सिस्टम है। इसलिए ट्रेन के आगे इंजन लगाने की जरुरत नहीं होती है। सेल्फ प्रोपेल्ड इंजन (एसपीई) तकनीक की मदद से वंदे भारत ट्रेन का एक्सेलरेशन-डीसेलरेशन बहुत तेज होता है। यानी ताकतवर पिकअप के साथ वंदे भारत त्वरित तेज गति पकड़ती है और उतनी ही तेजी से रुकती भी है। यह एसपीई तकनीक में संभव है, जबकि राजधानी एक्सप्रेस में इंजन ट्रेन को खींचता और ब्रेक लगता है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से वंदे भारत की औसत तीन से चार घंटे बढ़ जाती है। आधुनिकता की पटरी पर दौड़ती भारतीय रेल में प्रीमियम राजधानी-शताब्दी ट्रेनों का युग बीतने जा रहा और चरणबद्ध तरीके से उनका स्थान सेमी हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन लेने जा रही हैं।

युद्धग्रस्त देश यक्रेन में जंग के बीच शवों को दफनाना बनी बड़ी समस्या

राजधानी कीव के बाहरी इलाकों में गोलीबारी तेज

मारियुपोल ।

रूस के हमलों से यूक्रेन के शहरों में धमाकों की गूंज लगातार जारी है और देश के दक्षिण में मारियुपोल पर शिकंजा और कसते हुए राजधानी कीव के बाहरी इलाकों में गोलाबारी तेज कर दी है। रूस के आक्रमण से मारियुपोल सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। निरंतर गोलाबारी ने 430,000 की आबादी वाले शहर में भोजन, पानी और दवा लाने तथा फंसे हुए नागरिकों को निकालने के प्रयासों को विफल कर दिया है। महापौर के कार्यालय के अनुसार हमले में मारियुपोल में 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं और शवों को सामूहिक कब्रों में दफनाने के प्रयास भी गोलाबारी के कारण बाधित हो रहे हैं। संघर्ष विराम के लिए हुई वार्ता शनिवार को फिर विफल रही और जब अमेरिका ने यूक्रेन को हथियारों के लिए 20 करोड़ डॉलर की राशि फिर प्रदान करने की योजना की घोषणा की तो एक वरिष्ठ रूसी राजनयिक ने चेतावनी दी कि मास्को सैन्य उपकरणों की विदेशी खेप पर भी हमला कर सकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस पर उनके देश को तोड़ने और 'आतंक के एक नए चरण' को शुरू करने तथा मारियुपोल के पश्चिम में एक शहर के महापौर को हिरासत में लेने का आरोप लगाया है। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि रूसी सैनिकों ने शनिवार को मारियुपोल पहुंचने की कोशिश कर रहे एक काफिले को लूट लिया और अन्य वाहनों को भी वहां जाने से रोक दिया। यूक्रेन की सेना ने कहा कि रूसी सेना ने रणनीतिक बंदरगाह की घेराबंदी को मजबूत करते हुए मारियुपोल के पूर्वी बाहरी इलाके पर कब्जा कर लिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वालोदिमीर जेलेंस्की ने एक वीडियो संबोधन के दौरान कहा, 'वे मारियुपोल पर 24 घंटे बमबारी कर रहे हैं, मिसाइलें दाग रहे हैं। यह नफरत है। वे बच्चों को मार रहे हैं।' मारियुपोल में एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार ने नौ मंजिला अपार्टमेंट की इमारत पर टैंकों की गोलीबारी देखी।

भारत को चीन से लगी एलएसी के लिए जरूरी साजो-सामान मिलता रहेगा अमेरिका से

वाशिंगटन ।

अमेरिका के शीर्ष एडमिरल ने अमेरिकी सांसदों से कहा है कि अमेरिका और भारत एक जबरदस्त साझेदार हैं, देश भारत को चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के लिए जरूरी साजो सामान और अन्य चीजों से सहयोग करना जारी रखेगा। अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल जॉन एक्विलिनो ने कहा कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंध संभवतः शीर्ष बिंदु पर हैं। वह सीनेटर गैरी पीटर्स के सवाल का जवाब दे रहे थे। दरअसल पीटर्स ने सवाल किया था, एडमिरल, आपके लिए मेरा प्रश्न है, कि क्या आप हमारे भारतीय समकक्षों के साथ अपने संबंधों के बारे में बात कर सकते हैं और हम दोनों देशों के बीच अपने सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए और क्या कर सकते हैं?'' इसके जवाब में एडमिरल एक्विलिनो ने कहा, सीनेटर, मुझे कोई चिंता नहीं है। भारत में हमारे सहयोगी जबरदस्त साझेदार हैं, दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंध शायद अपने उच्चतम बिंदु पर है।

हम एकसाथ और अधिक करना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, हालांकि जब आप जबरदस्त साझेदारी के बारे में बात करते हैं,तब यह मौजूद है। हम और क्या कर सकते हैं? जानकारी साझा करना जारी रखें, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उन्हें आवश्यक उपकरणों के साथ उनका समर्थन करना जारी रखें और पूरे क्षेत्र में एकसाथ भागीदारी और संचालन जारी रखें। उनकी यह टिप्पणी इसके मद्देनजर महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और चीन ने शुक्रवार को पूर्वी लद्दाख में कुछ शेष टकराव वाले बिंदुओं पर 22 महीने के लंबे गतिरोध के समाधान के लिए उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता का एक और दौर आयोजित किया। एक्विलिनो ने अमेरिका और भारत के बीच सैन्य अभ्यास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा,जापान, भारतीयों के साथ 'मिनी लेटरल अंततः उन्हें उपकरण बेचना और अधिक प्रभावी हो सकें।''

कोविड-19 के कहर से चीन बेहाल, दो साल में सबसे अधिक संक्रमित सामने आए

बीजिंग ।

महामारी कोविड-19 को दुनिया भर में फैलाने के लिए बदनाम चीन में एक बार फिर इस घातक वायरस का संक्रमण कहर ढा रहा है। यहां दैनिक मामले शनिवार को दो साल में सबसे अधिक दर्ज किए गए। अधिकारियों ने बताया कि करीब दो हजार नए मामले आए हैं जिनमें बीजिंग के 20 संक्रमित शामिल हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने रविवार को बताया कि चीन की मुख्य भूमि पर शनिवार को कोविड-19 के स्थानीय तौर पर संक्रमण के 1,807 नए मामले आए जबकि 131 मरीज आयातित हैं। आयोग ने बताया कि स्थानीय संक्रमण के जो नए मामले आए हैं उनमें 1,412 मरीज जिलीन प्रांत के हैं जहां की राजधानी चांगचुन में चीन ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर पिछले शुक्रवार को लॉकडाउन लगाने का आदेश दिया था। इस शहर में करीब 90 लाख आबादी रहती है। प्रशासन ने चांगचुन के अलावा हाल में शांडोंग प्रांत के युचेंग में भी लॉकडाउन का आदेश दिया है जिसकी आबादी करीब पांच लाख है। आयोग ने बताया कि जिलीन के अलावा शांडोंग में 175, ग्वांडोंग में 62, शांक्सी में 39, हेबेई में 33, जियांग्सू में 23, तियानजिन में 17 और बीजिंग में 20 नए मामले आए हैं। इस बीच, हांगकांग में स्थिति लगातार खराब होती जा रही है जहां पर अधिकारियों ने कोविड-19 के 27,647 नए मामलों की ब्रिटेन के पूर्व उपनिवेश हांगकांग में और 87 लोगों की कोविड-19 से मौत हुई ।

सामूहिक मृत्युदंड की सजा के बाद ईरान ने सऊदी अरब के साथ वार्ता की स्थगित

तेहरान।

ईरान ने सऊदी अरब के साथ वर्षों से जारी तनाव को कम करने के मकसद से चल रही वार्ता को अस्थायी तौर पर स्थगित करने का निर्णय लिया है। ईरान की सरकारी मीडिया की खबर में रविवार को यह जानकारी दी गई। सऊदी अरब ने हत्या और चरमपंथी समूहों से जुड़ाव रखने सहित विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए 81 लोगों को सामूहिक रूप से शनिवार को मृत्युदंड दे दिया था। इसके बाद ईरान की तरफ से ये कदम सामने आया है। हालांकि, रिपोर्ट में वार्ता स्थगित करने के कारणों को स्पष्ट नहीं किया गया। सऊदी अरब के आधुनिक इतिहास में एक ही दिन सामूहिक रूप से सबसे ज्यादा लोगों को मृत्युदंड दिए जाने का यह पहला मामला है। इससे पूर्व, जनवरी 1980 में मक्का की बड़ी मस्जिद से संबंधित बंधक प्रकरण के दोषी ठहराए गए 63 चरमपंथियों को मृत्युदंड दिया गया था। ईरानी समाचार वेबसाइट नॉर न्यूज की खबर के मुताबिक, सरकार ने एकतरफा निर्णय लेते हुए सऊदी अरब से वार्ता स्थगित कर दी है जोकि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के मद्देनजर पिछले साल से बगदाद में चल रही है। इससे पहले, इराक के विदेश मंत्री ने कहा था कि सऊदी अरब और ईरान के बीच जारी वार्ता के पांचवें दौर की बातचीत बुधवार को होनी प्रस्तावित थी।

संक्षिप्त समाचार

युद्धग्रस्त यूक्रेन से नेपाली नागरिकों को निकालने के लिए नेपाल के पीएम ने भारत का आभार जताया

काठमांडू । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन से नेपाली नागरिकों को सुरक्षित निकालने और उन्हें नेपाल पहुंचाने में मदद के लिए नेपाल के पीएम ने भारत का आभार जताया है। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने रूस के सैन्य हमले के बाद यूक्रेन में फंसे चार नेपाली नागरिकों को निकालने के लिए शनिवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार का आभार व्यक्त किया। भारत के ऑपरेशन गंगा के तहत नेपाली छात्रों को निकाला गया था। आपरेशन गंगा 24 फरवरी को रूस के सैन्य आक्रमण के बाद यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए शुरू किया गया था। देउबा ने एक ट्वीट किया, चार नेपाली नागरिक अभी-अभी यूक्रेन से भारत होते हुए नेपाल पहुंचे हैं। ऑपरेशन गंगा के जरिए नेपाली नागरिकों को स्वदेश लाने में मदद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार को धन्यवाद। पिछले हफ्ते, भारत सरकार ने यूक्रेन से दो नेपाली नागरिकों को निकाला था।

अफगानिस्तान में नाबालिगों और महिलाओं सहित 50 लाख नशेड़ी

काबुल । अंतर्राष्ट्रीय बचाव समिति (आईआरसी) के प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बैठक में उपप्रधान मंत्री अब्दुल सलाम हनफी ने अफगानिस्तान में नशों को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। हनफी ने बताया कि अफगानिस्तान में दस लाख से अधिक नाबालिगों और महिलाओं सहित 50 लाख नशेड़ी हैं। इस दौरान अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात के प्रवक्ता इनामुल्ह समांगानी ने कहा, यदि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय अफगान किसानों को अपना विकल्प प्रदान करने में सहायता करता है, तो आईईए पूरे अफगानिस्तान में नशीले पदार्थों को खत्म करने के प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बीच, अफगानिस्तान में आईआरसी के प्रमुख विकी एकेन ने कहा कि वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना आईआरसी की प्राथमिकता है, इस संबंध में वास्तविक अधिकारियों को एक सुझाव दिया गया है। इसके अलावा समिति के उप निदेशक ज़हरा वरदक ने कहा केएफ समिति न केवल अफगान महिलाओं और बच्चों के लिए बल्कि अफगान महिलाओं की वित्तीय आत्मनिर्भरता के लिए भी काम करने में रुचि रखती है ।

सऊदी अरब में एक दिन में 81 लोगों को दी गई फांसी

दुबई । सऊदी अरब में एक दिन में 81 लोगों को फांसी दी गई है । दुष्कर्म, हत्या, पूजास्थलों पर हमला, आतंकवादियों से संबंध जैसे कई संगीन अपराधों में शामिल 81 लोगों को एक ही दिन में फांसी का फैसले की पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। स्थानीय एजेंसी सऊदी प्रेस एजेंसी ने बताया कि शनिवार को सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय ने इन सभी लोगों को फांसी दी है। इनमें से कई खूंखार आतंकवादी संगठन आईएसआईएस और अल-कायदा के साथ काम करते थे तो कई अन्य हत्या तथा दुष्कर्म जैसी घटनाओं में शामिल थे। मौत की यह सजा सऊदी के रहने वालों के अलावा कुछ विदेशियों को भी दी गई है। इनमें से ज्यादातर यमन के रहने वाले थे। यह सभी धार्मिक स्थलों और सरकारी संस्थानों को निशाना बनाने, सुरक्षा अधिकारियों की हत्या करने, माइंस बिछाने, अपहरण, टॉर्चर करने और रेप तथा हथियारों की डकैती जैसे अपराधों में संलिप्त थे। इसके अलावा इसमें देश में गड़बड़ी फैलने के उद्देश्य से हथियारों की तस्करी करने वाले भी शामिल थे। अदालत में ट्रायल के बाद इन सभी अपराधियों को अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। मंत्रालय ने बताया कि अपीलीय अदालत और सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी को मिली मौत की सजा पर मुहर लगाई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अदालत ने निर्देश दिया था कि इन सभी मौत की सजा दी जाए।

इथियोपिया में नागरिकों को जिंदा जलाने का वीडियो आया सामने, भड़क गए लोग

इंटरनेशनल डेस्क। इथियोपिया में सशस्त्र व्यक्तियों द्वारा कम से कम तीन लोगों को जिंदा जलाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी प्रसारित होने के बाद प्राधिकारियों ने कहा कि वे इस घटना के आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाएंगे। सोशल मीडिया पर शुक्रवार को यह वीडियो व्यापक रूप से प्रसारित होने के बाद देशभर में लोगों ने इस घटना को लेकर नाराजगी जताई है। 'इथियोपियाई सरकार संचार सेवा ने वीडियो संबंधी घटना की पुष्टि की है। वीडियो में सशस्त्र लोग तीन असैन्य लोगों को खींचते और फिर उन्हें जिंदा जलाते दिख रहे हैं। यह घटना पश्चिमोत्तर बेनीशांगुल-गुमुज क्षेत्र के गुबा इलाके में हुई। 'इथियोपियाई सरकार संचार सेवा ने कहा, ''सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो एक नृशंस और अमानवीय कृत्य को दर्शाता है। उनका मकसद कुछ भी हो, सरकार इस घृणित अपराध को अंजाम देने वाले लोगों के खिलाफ अभियोग चलाएगी। प्राधिकारियों ने यह नहीं बताया कि यह घटना कब की है। अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि उनके सहयोगियों के खिलाफ लड़ रहे टिग्रे के नेताओं ने आरोप लगाया कि जिंदा जलाए गए लोग टिग्रे प्रांत के स्थानीय लोग थे। उ

अमेरिका ने उत्तर कोरिया पर प्रतिबंधों की घोषणा की

सियोल । अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने उत्तर कोरिया द्वारा अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के तहत हालिया दो परीक्षणों की प्रतिक्रिया में और प्रतिबंधों की घोषणा की है। चार मार्च के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण का उल्लेख कर वित्त मंत्रालय ने तीन रूसी कंपनियों एपोलान, जील-एम और आरके ब्रिज को इसमें मदद करने के आरोप में प्रतिबंधित करने का एलान किया है। प्रतिबंधित रूसी कंपनियां अमेरिका में अपनी संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी। एपोलान के निदेशक एलेक्सजेंडर एंड्रीविच गेयेनोव और जील-एम के निदेशक एलेक्सजेंडर एलेक्सांद्रोविच चासोवनिकोव को भी प्रतिबंधों के दायरे में लाया गया है। अमेरिका ने ये प्रतिबंध उस समय लगाए हैं, जब यह आशंका है कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर कोरिया पहली बार लंबी दूरी की मिसाइलों व परमाणु हथियारों का परीक्षण जल्द कर सकता है। दूरी की मिसाइलों व परमाणु हथियारों का परीक्षण जल्द कर सकता है। वित्त मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी ब्रेन नेल्सन की तरफ से जारी बयान के अनुसार, दक्षिण कोरिया अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए पूरी दुनिया के लिए खतरा बनता जा रहा है।हालिया प्रतिबंधों में उन रूसी कंपनियों व लोगों को निशाना बना गया है, जो उत्तर कोरिया की मदद कर रहे हैं।

दक्षिण चीन सागर में चीनी सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त, ताइवान ने की पुष्टि

इंटरनेशनल डेस्क।

ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो ने दक्षिण चीन सागर में एक चीनी सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना की पुष्टि की है। हालांकि चीन ने पहले इस घटना को स्वीकार करने से साफ मना कर दिया था। ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में एक चीनी सैन्य विमान दक्षिण चीन सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। चीन ने दुर्घटनास्थल के आसपास के क्षेत्र को सील कर दिया है। ताइवान न्यूज ने बताया कि एनएसबी के महानिदेशक चेन मिंग-टोंग ने 10 मार्च को इस घटना की जानकारी दी। ताइवान की शीर्ष खुफिया एजेंसी राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो के महानिदेशक चेन मिंग-टोंग ने गुरुवार को बताया कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स का एक विमान, 1 मार्च को दक्षिण चीन सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना से जुड़ी खबरें पहले से आने लगी थी, जब कहा जा रहा था कि वियतनाम के तट पर एक चीनी सैन्य गश्ती विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसे चीन की सरकारी एजेंसी ने स्वीकार कर लिया है, जिसके बारे में पहली बार 6 मार्च को एक वियतनामी पत्रकार द्वारा सार्वजनिक किया गया था। ताइवान के मीडिया के अनुसार बताया गया कि ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र के माध्यम से ड्रू-8 उड़ानों में अचानक गिरावट आई , जिसमें 2 मार्च से 7 मार्च तक कोई रिपोर्ट नहीं हुई। ताइवान सोसायटी ताइवान न्यूज ने बताया कि सामरिक अध्ययन के लिए शोधकर्ता चांग चिंग ने 7 मार्च को मीडिया रिपोर्ट को बकवास बताया,श और इसे मानने से इनकार किया। रिपोर्ट में कहा गया था कि चीन की सेना पहले की तुलना में अब अधिक खुली है और अगर कोई दुर्घटना हुई होती, तो वह इसे कवर नहीं करती

रूस का कीव पर कब्जा तभी संभव है, जब वो इसे पूरी तरह तबाह कर देगा : यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की

कीव ।

रूसके हमलों से बियाबन में तब्दील हो रहे यूक्रेन में हालात काफी भयावह हो गए है। रूसी सेना अब कीव को घेरने की तैयारी कर रही है। वहीं ओडेसा में सुबह से गोलीबारी जारी है। उधर कीव में भी रूसी सैनिकों ने बमबारी की। उधर, अमेरिका ने रूस की घेराबंदी के लिए 12 हजार फौजी भेज दिए हैं। वहीं यूक्रेन के ल्यूट्स्क में रूसी सेना ने गोलीबारी की। इसमें 4 सैनिकों की मौत हो गई। जबकि 6 लोग घायल हो गए। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के बीच अमेरिका ने एक बार बड़े संकेत दिए हैं। कहा गया है कि यूक्रेन की मदद करने के लिए अमेरिका कुछ बड़े कूटनीतिक कदम उठा सकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अगर रूस हजारों सैनिक लेकर आ जाएगा, अगर उसके हजारों टैंक दाखिल हो जाएंगे, तो कीव पर वो अपना कब्जा कर सकता है। लेकिन जेलेंस्की ने जोर देकर कहा है कि रूस का कीव पर कब्जा तभी संभव है, जब वो इसे तबाह कर देगा। रूसी मीडिया ने दावा किया है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की हर मुद्दे पर बातचीत करने को तैयार हैं। पहले ही तीन दौर की बातचीत हो चुकी है, ऐसे में रूस के इस दावे को सकारात्मक रूप में लिया जा रहा है। यूक्रेन संग जारी युद्ध के बीच अब सोनी पिक्चर्स ने भी रूस में अपना कारोबार समेट लिया है। इससे पहले भी कई बड़ी कंपनियां रूस में अपना कारोबार बंद कर चुकी हैं। यूक्रेन राष्ट्रपति ने कहा है कि इस युद्ध की वजह से रूस को कई दशकों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उनके मुताबिक इस युद्ध ने रूस को कई साल पीछे कर दिया है। यूक्रेन संग जारी युद्ध के बीच कई देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस बीच रूस की तरफ से नासा और दूसरे स्पेस संस्थानों को चेतावनी दी गई है। बयान में कहा गया है कि अमेरिका, कनाडा और यूरोप के दूसरे देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन को भी खतरा पड़ सकता है। ऐसे में तमाम पाबंदियों को तुरंत हटाया जाए। यूक्रेन सरकार ने दावा किया है कि रूसी सेना ने मारियूपोल में एक मस्जिद पर हमला किया है। उसकी तरफ से भारी गोलीबारी की गई है। जिस समय ये हमला हुआ तब वहां पर 80 लोगों ने शरण ले रखी थी। उसमें ज्यादातर तुर्की के नागरिक थे जिन्होंने खुद को बचाने के लिए मस्जिद का सहारा लिया था।

पाकिस्तानः श्रीलंकाई व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या के मामले में 89 लोग आरोपित

पेशावर। पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी एक अदालत ने पिछले साल दिसंबर में पंजाब प्रांत में एक श्रीलंकाई नागरिक की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में शनिवार को 89 लोगों को आरोपित किया। कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के समर्थकों सहित 800 से अधिक लोगों की भीड़ ने 3 दिसंबर, 2021 को सियालकोट जिले में ईशनिंदा के आरोप में एक कपड़ा कारखाने पर हमला किया और उसके 47 वर्षीय महाप्रबंधक प्रियंता कुमारा की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। इसके बाद भीड़ ने शव को आग के हवाले कर दिया था। कारखाने के कुछ कर्मचारियों ने कुमारा पर फैक्टरी में मशीनों के निरीक्षण के दौरान इस्लामिक आयतें लिखे टीएलपी के पोस्टर को फाड़ने का आरोप लगाया था। अदालत के एक अधिकारी ने सुनवाई के बाद पीटीआई को बताया, लाहौर की आतंकवाद रोधी अदालत की न्यायाधीश नताशा नसीम ने शनिवार को यहां कोट लखपत जेल में सुनवाई के दौरान 89 लोगों को ईशनिंदा के आरोप में कुमारा की पीट-पीटकर हत्या करने और जलाने के मामले में आरोपित किया। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश ने अभियोजकों को 14 मार्च को गवाहों को अदालत में पेश करने का आदेश दिया है। कहा कि न्यायाधीश ने अभियोजकों को 14 मार्च को गवाहों को अदालत में पेश करने का आदेश दिया है। अधिकारी ने कहा कि संदिग्धों ने अपराध में शामिल होने के आरोपों से इनकार किया है। सुरक्षा कारणों से जेल में मुकदमा चल रहा है। वीडियो फुटेज के जरिए संदिग्धों की भूमिका की पहचान की गई है। कुमारा पिछले सात वर्षों से सियालकोट जिले के राजको इंडस्ट्रीज में महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे।

रूस ने पोलैंड की सीमा के पास किया हमला, मारियुपोल में तबाही

इंटरनेशनल डेस्क।

रूसी सेना ने रविवार सुबह पश्चिमी यूक्रेन में एक सैन्य प्रशिक्षण अड्डे पर हमला किया, जिससे रूस का आक्रमण पोलैंड के साथ यूक्रेन की लगती सीमा के करीब पहुंच गया है। क्षेत्रीय प्रशासन ने संभावित हताहतों के बारे में कोई विवरण दिए बिना कहा कि ल्वीव के उत्तर-पश्चिम में 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यारोविव सैन्य रेंज में आठ रॉकेट दागे गए। यह सीमा पोलैंड के साथ यूक्रेन की सीमा से 35 किलोमीटर दूर है। अमेरिका ने 2015 से यूक्रेन की सेना को प्रशिक्षित करने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षकों को सैन्य रेंज में भेजा है, जिसे यारोविव इंटरनेशनल पीसकीपिंग एंड सिक्योरिटी सेंटर के रूप में भी जाना जाता है और इस केंद्र ने अंतरराष्ट्रीय नाटो सैन्य अभ्यास की मेजबानी भी की है। रूस ने शनिवार को यूक्रेन के शहरों पर बमबारी तेज कर दी और देश के दक्षिण में मारियुपोल पर शिकंजा और कसते हुए राजधानी कीव के बाहरी इलाकों में गोलाबारी तेज कर दी है। रूस के आक्रमण से मारियुपोल सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। निरंतर गोलाबारी ने 430,000 की आबादी वाले शहर में भोजन, पानी और दवा लाने तथा फंसे हुए नागरिकों को निकालने के प्रयासों को विफल कर दिया है। महापौर के कार्यालय के अनुसार हमले में मारियुपोल में 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं और शवों को सामूहिक कब्रों में दफनाने के प्रयास भी गोलाबारी के कारण बाधित हो रहे हैं। संघर्ष विराम के लिए हुई वार्ता शनिवार को फिर विफल रही और जब अमेरिका ने यूक्रेन को हथियारों के लिए 20 करोड़ डॉलर की राशि फिर प्रदान करने की योजना की घोषणा की तो एक वरिष्ठ रूसी राजनयिक ने चेतावनी दी कि मास्को सैन्य उपकरणों की विदेशी खेप पर भी हमला कर सकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस पर उनके देश को तोड़ने और ''आतंक के एक नए चरण को शुरू करने तथा मारियुपोल के पश्चिम में एक शहर के महापौर को हिरासत में लेने का आरोप लगाया है। जेलेंस्की ने शनिवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के दौरान कहा, ''यूक्रेन इस परीक्षा में खरा उतरेगा। हमारी धरती पर चल रहे युद्ध का मुकाबला करने के लिए हमें समय और ताकत की जरूरत है। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि रूसी सैनिकों ने शनिवार को मारियुपोल पहुंचने की कोशिश कर रहे एक काफिले को लूट लिया और अन्य वाहनों को भी वहां जाने से रोक दिया। यूक्रेन की सेना ने कहा कि रूसी सेना ने रणनीतिक बंदरगाह की घेराबंदी को मजबूत करते हुए मारियुपोल के पूर्वी बाहरी इलाके पर कब्जा कर लिया। अजोव सागर पर मारियुपोल और से रूस को क्रीमिया के लिए एक जमीनी गलियारा स्थापित करने में मदद मिल सकती है। अन्य बंदरगाहों को कब्जा कर लेने से रूस को क्रीमिया के लिए एक जमीनी गलियारा स्थापित करने में मदद मिल सकती है। रूस ने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया को छीन लिया था। जेलेंस्की ने अपने नागरिकों को अपना प्रतिरोध बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, ''हमें अपनी रक्षा करना नहीं छोड़ना है, चाहे वह कितना भी मुश्किल क्यों न हो। बाद में शनिवार को जेलेंस्की ने बताया कि 24 फरवरी को रूसी आक्रमण शुरू होने के बाद से 1,300 यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं। जेलेंस्की ने एक वीडियो संबोधन के दौरान कहा, ''वे मारियुपोल पर 24 घंटे बमबारी कर रहे हैं, मिसाइलें दाग रहे हैं। यह नफरत है। वे बच्चों को मार रहे हैं। मारियुपोल में एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार ने नौ मंजिला अपार्टमेंट की इमारत पर टैंकों की गोलीबारी देखी।

कभी जमुना तट पर राधा और कान्हा की टोली रासरंग में सराबोर नजर आती है, तो कभी ,सरजू तट पर जनक दुलारी राम संग टेसू रंग से होली खेल रही हैं, उधर भोले शंकर ऐर उनके गण मसाने में ही भूत-भभूत संग होली का धमाल मचा रहे हैं। सब ओर होली के रंग बिखर रहे हैं और फगुन की मादक बयार बह रही है। अवध काशी और ब्रज जैसे अलग-अलग अंचलो की होली के विविध रंग अपनी छटा बिखेर रहे हैं....

होलीका में आहुति देने वाली सामग्रीया

होलिका दहन होने के बाद होलिका में जिन वस्तुओं की आहुति दी जाती है, उसमें कच्चे आम, नारियल, भुट्टे या सप्तधान्य, चीनी के बने खिलौने, नई फसल का कुछ भाग है। सप्तधान्य हैं, गेहूं, उड़द, मूंग, चना, जौ, चावल और मसूर।

सुख - समद्धि मंत्र

वंदितासि सुरेंद्रेण ब्रह्मणा शंकरेण च। अतस्त्वं पाहि मां देवी! भूति भूतिप्रदा भव ॥ होलिका पूजन के समय इस मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
अहकूटा भयत्रस्तैः कृता त्वं होलि बालिशैः अतस्वां पूजयिष्यामि भूति-भूति प्रदायिनी? इस मंत्र का जप एक माला, तीन माला या फिर पांच माला विषम संख्याके रूप में करना चाहिए।

होली के रंग कान्हा के संग

होली का त्योहार कई पौराणिक गाथाओं से जुड़ा हुआ है। इनमें कामदेव, प्रह्लाद और पूतना की कहानियां प्रमुख हैं। प्रत्येक कहानी के अंत में सत्य की विजय होती है और राक्षसी प्रवृत्तियों का अंत होता है। कुछ लोग इस उत्सव का संबंध भगवान कृष्ण से मानते हैं। राक्षसी पूतना एक सुंदर स्त्री का रूप धारण कर बालक कृष्ण के पास गई। वह उनको अपना जहरीला दूध पिला कर मारना चाहती थी। दूध के साथ-साथ बालक कृष्ण ने उसके प्राण भी ले लिए। कहते हैं मृत्यु के पश्चात पूतना का शरीर लुप्त हो गया इसलिए ग्वालों ने उसका पुतला बना कर जला डाला। मथुरा तब से होली का प्रमुख केंद्र है।

होली और राधा - कृष्ण का कथा

होली का त्योहार राधा और कृष्ण की पावन प्रेम कहानी से भी जुड़ा हुआ है। वसंत के सुंदर मौसम में एक-दूसरे पर रंग डालना उनकी लीला का एक अंग माना गया है। वृन्दावन की होली राधा और कृष्ण के इसी रंग में डूबी हुई होती है। भगवान श्रीकृष्ण तो सांवले थे, परंतु उनकी आत्मिक सखी राधा गौरवर्ण की थी। इसलिए बालकृष्ण प्रकृति के इस अन्याय की शिकायत अपनी मां यशोदा से करते तथा इसका कारण जानने का प्रयत्न करते हैं। एक दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को यह सुझाव दिया कि वे राधा के मुख पर वही रंग लगा दें, जिसकी उन्हें इच्छा हो। नटखट श्रीकृष्ण यही कार्य करने चल पड़े। हम चित्रों व अन्य भक्ति आकृतियों में श्रीकृष्ण के इसी कृत्य को जिसमें वे राधा व अन्य गोपियों पर रंग डाल रहे हैं, देख सकते हैं। यह प्रेममयी शरारत शीघ्र ही लोगों में प्रचलित हो गई तथा होली की परंपरा के रूप में स्थापित हुई। इसी ऋतु में लोग राधा व कृष्ण के चित्रों को सजाकर सड़कों पर घूमते हैं। मथुरा में होली का विशेष महत्व है।

होली और धुंधी की कथा

भविष्यपुराण में वर्णित है कि सत्ययुग में राजा रघु के राज्य में माली नामक दैत्य की पुत्री ढोंढा या धुंधी थी। उसने शिव की उग्र तपस्या की। शिव ने वर मांगने को कहा तो उसने वर मांगा- प्रभु! देवता, दैत्य, मनुष्य आदि मुझे मार न सकें तथा अस्त्र-शस्त्र आदि से भी मेरा वध न हो। साथ ही दिन में, रात्रि, में शीतकाल में, उष्णकाल तथा वर्षाकाल में, भीतर-बाहर कहीं भी मुझे किसी से भय न हो। शिव ने तथास्तु कहा तथा यह भी चेतावनी दी कि तुम्हें उन्मत्त बालकों से भय होगा। वही ढोंढा नामक राक्षसी बालकों व प्रजा को पीड़ित करने लगी। 'अडाडा' मंत्र का उच्चारण करने पर वह शांत हो जाती थी। इसी कारण उसे 'अडाडा' भी कहते हैं। भगवान शिव के अभिशाप वश वह ग्रामीण बालकों की शरारत, गालियों व चिल्लाने के आगे विवश थी। ऐसा विश्वास किया जाता है कि होली के दिन ही सभी बालकों ने अपनी एकता के बल पर आगे बढ़कर धुंधी को गांव से बाहर धकेला था। वे जोर-जोर से चिल्लाते हुए तथा चालाकी से उसकी ओर बढ़ते ही गए। यही कारण है कि इस दिन नवयुवक कुछ अशिष्ट भाषा में हंसी मजाक कर लेते हैं, परंतु कोई उनकी बात का बुरा नहीं मानता।

श्री हरि विष्णु - हिरण्यकश्यप कथा

राजा हिरण्यकश्यप अहंकारवश स्वयं को ईश्वर मानने लगा। उसकी इच्छा थी कि केवल उसी का पूजन किया जाए, लेकिन उसका स्वयं का पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था। पिता के बहुत समझाने के बाद भी जब पुत्र ने श्री विष्णु जी की पूजा करनी बंद नहीं की, तो हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र को दंड स्वरूप उसे आग में जलाने का आदेश दिया। इसके लिए राजा ने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रह्लाद को जलती हुई आग में लेकार बैठ जाए, क्योंकि होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह आग में नहीं जलेगी। होलिका प्रह्लाद को लेकर आग में बैठ गई, लेकिन होलिका जल गई और प्रह्लाद नारायण कृपा से बच गया। यह देख हिरण्यकश्यप अपने पुत्र से और अधिक नाराज हुआ। हिरण्यकश्यप को वरदान था कि वह न दिन में मर सकता है न रात में, न जमीन पर मर सकता है और न आकाश या पाताल में, न मनुष्य उसे मार सकता है और न जानवर या पशुपक्षी, इसीलिए भगवान ने उसे मारने के लिए संध्या का समय चुना और आधा शरीर सिंह का और आधा मनुष्य का, नृसिंह अवतार लिया। नृसिंह भगवान ने हिरण्यकश्यप की हत्या न जमीन पर की, न आसमान पर, बल्कि अपनी गोद में

शिव - पार्वती कथा

पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय की बात है कि हिमालय पुत्री पार्वती की यह मनोइच्छा थी, कि उनका विवाह केवल भगवान शिव से हो। सभी देवता भी यही चाहते थे, परंतु श्री भोले नाथ थे कि सदैव गहरी समाधी में लीन रहते थे, ऐसे में माता पार्वती के लिए भगवान शिव के सामने अपने विवाह का प्रस्ताव रखना कठिन हो रहा था। इस कार्य में देवताओं ने कामदेव का सहयोग मांगा। कामदेव ने भगवान शंकर की तपस्या भंग करने के लिए प्रेम बाण चलाया, जिसके फलस्वरूप भगवान शिव की तपस्या भंग हो गई। तपस्या के भंग होने से शिवजी को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल कर कामदेव को भस्म कर दिया। कुछ समय पश्चात भगवान शिव ने माता पार्वती से विवाह कर लिया। होलिका दहन का पर्व, क्योंकि कामदेव के भस्म होने से भी संबंधित है इसलिए इस पर्व की सार्थकता इसी में है कि व्यक्ति होली के साथ अपनी काम वासनाओं को भस्म कर दें और वासनाओं से ऊपर उठ कर जीवन व्यतीत करें।

नारद - युधिष्ठिर कथा

पुराणों के अनुसार श्री नारदजी ने एक दिन युधिष्ठिर से यह निवेदन किया कि है राजन! फाल्गुन पूर्णिमा के दिन सभी लोगों को अभयदान मिलना चाहिए, ताकि सभी कम से कम एक साथ एक दिन तो प्रसन्न रहें। इस पर युधिष्ठिर ने कहा कि जो इस दिन हर्ष और खुशियों के साथ यह पर्व मनाएगा, उसके पाप प्रभाव का नाश होगा। उस दिन से पूर्णिमा के दिन हंसना-होली खेलना आवश्यक समझा जाता है।

हरि हर को झुले में झुलाने की प्रथा

होली से जुड़ी एक अन्य कथा के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा के दिन जो लोग चित को एकाग्र कर भगवान विष्णु को झूले में बिठाकर, झूलते हुए विष्णु जी के दर्शन करते हैं, उन्हें पुण्य स्वरूप वैकुण्ठ की प्राप्ति होती है।

'होली' विशेष

पुजा विधि

होलिका दहन करने से पहले होली की पूजा की जाती है। इस पूजा को करते समय, पूजा करने वाले व्यक्ति को होलिका के पास जाकर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठना चाहिए। पूजा करने के लिए निम्न सामग्री को प्रयोग करना चाहिए। एक लोटा जल, माला, रोली, चावल, गंध, पुष्प, कच्चा सूत, गुड़, साबुत हल्दी, मूंग, बताशे, गुलाल, नारियल आदि। इसके अतिरिक्त नई फसल के धान्यों जैसे-पके चने की बालियां व गेहूं की बालियां भी सामग्री के रूप में रखी जाती हैं। इसके बाद होलिका के पास गोबर से बनी ढाल तथा अन्य खिलौने रख दिए जाते हैं। गोबर से बनाई गई ढाल व खिलौनों की चार मालाएं अलग से घर लाकर सुरक्षित रख ली जाती हैं। इसमें से एक माला पितरों के नाम की, दूसरी हनुमान जी के नाम की, तीसरी शीतला माता के नाम की तथा चौथी अपने घर-परिवार के नाम की होती है। कच्चे सूत को होलिका के चारों ओर तीन या सात परिक्रमा करते हुए लपेटना होता है। फिर लोटे का शुद्ध जल व अन्य पूजन की सभी वस्तुओं को एक-एक करके होलिका को समर्पित किया जाता है। रोली, अक्षत व पुष्प का भी पूजन में प्रयोग किया जाता है। गंध-पुष्प का प्रयोग करते हुए पंचोपचार विधि से होलिका का पूजन किया जाता है। पूजन के बाद जल से अर्घ्य दिया जाता है। सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में होलिका में अग्नि प्रज्वलित कर दी जाती है। इसमें अग्नि प्रज्वलित होते ही डंडे को बाहर निकाल लिया जाता है।

राशि अनुसार खेलें रंग जीवन में लाएं खुशी के पल

होली रंगों का त्यौहार है और रंग प्रेम के परिचायक होते हैं। इन प्यार मोहब्बत के रंगों को वही व्यक्ति स्वीकार करता है जिन के मन में अनुराग और अपनत्व की भावना होती है। अपनी राशि के अनुसार अपने इष्ट का ध्यान कर अपने मन से सभी बुराईयों का दहन कर भविष्य की पवित्र, सुखद, शाश्वत, पापरहित और प्रेममयी होली के रंग अपने जीवन में लाने का संकल्प करें और सुनहरे भविष्य की उज्वल कामना करें।

- मेष : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली की पूजा करने के उपरांत मंदिर जाकर शिवालय के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए लाल गुलाल का प्रयोग करें।
- वृषभ : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत कन्या पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हल्के पीले रंग का प्रयोग करें।
- मिथुन : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हरे रंग का प्रयोग करें।
- कर्क : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत शिव परिवार का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए सफेद कपड़े धारण करें और केवल गुलाल से ही होली खेलें।
- सिंह : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान सूर्य नारायण का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए गुलाल एवं मेहरून रंग का प्रयोग करें।
- कन्या : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत गणपति बप्पा और धन के देवता कुबेर जी के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए टेसू रंग का प्रयोग करें।
- तुला : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत मां दुर्गा का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए लाल और पीले रंग का प्रयोग करें।
- वृश्चिक : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति और उनकी पत्नियों रिद्धि-सिद्धि का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए गुलाबी रंग का प्रयोग करें।
- धनु : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान दत्तात्रेय (गुरु महाराज) का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए पीले रंग का प्रयोग करें।
- मकर : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत भगवान श्री राम और उनके प्रिय भक्त हनुमान जी के दर्शन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हल्का गुलाबी और पीला रंग प्रयोग में लाएं।
- कुंभ : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत श्री राम भक्त हनुमान जी का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए हरे और सिंदूरी रंग का प्रयोग करें।
- मीन : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूहर्त में उठकर होली पूजन के उपरांत बृहस्पति देव का पूजन करें तत्पश्चात होली के रंगों में रंगने के लिए पीले रंग का प्रयोग करें।

सुविचार जो अपने को बुद्धिमान समझता है वह सामान्यत- सबसे बड़ा मूर्ख होता है। - सुदर्शन

संपादकीय

जीत की इंजीनियरिंग

पंजाब के अपवाद को छोड़ दें तो उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर में भाजपा की दमदार वापसी ने चुनाव पंडितों को भी हैरत में डाला है। इसमें भी उ.प्र. में कई मिथक तोड़कर योगी सरकार की वापसी कई मायनों में चौंकाने वाली है। निस्संदेह, सपा के सूत्रधार अखिलेश ने यादव, जाट व मुस्लिम गठजोड़ बनाकर जो कड़ी चुनौती भाजपा के लिये पैदा की, उसमें चुनाव विश्लेषक भाजपा की जीत की राह को संदेह से देख रहे थे। लेकिन बृहस्पतिवार को जब चुनाव परिणाम आये तो चुनाव पंडितों के चौंकने की बारी थी। दिल्ली की गद्दी की राह तय करने वाले प्रदेश के चुनाव परिणामों के समीकरणों को भाजपा व नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। यह भी कि इसके परिणाम 2024 के आम चुनाव की दिशा-दशा तय करेंगे। इस कसौटी पर भाजपा खरी उतरी है। इसे नरेंद्र मोदी की अगले आम चुनाव में दावेदारी के रूप में देखा जाने लगा है। फिलहाल भाजपा के चुनाव प्रबंधन का तोड़ विपक्ष के पास नहीं है। यह भी कि नरेंद्र मोदी की अगुवाई में वर्ष 2014 से बदलाव की राजनीति का जो उपक्रम शुरू हुआ था, उसका तिलिस्म अभी बाकी है। खामियों का जिम्मा राज्य सरकार पर और उपलब्धियों का श्रेय केंद्र सरकार के खाते में डालने वाला तंत्र यह मंत्र मतदाताओं को समझाने में कामयाब रहा है। तभी कोरोना संकट की टीस, महंगाई, सत्ता के विरुद्ध उपजे आक्रोश, बेरोजगारी तथा आवारा पशुओं के संकट के बावजूद उ.प्र के मतदाताओं ने भाजपा को फिर सत्ता सौंप दी। ऐसा भी नहीं है कि भाजपा ने सिर्फ ध्रुवीकरण का ही सहारा लिया हो, उसने लोक कल्याण कार्यक्रमों, विकास योजनाओं व मोदी की छवि को भी भुनाया है। यह विश्वास जनता को दिलाया है कि नेतृत्व के जरिये सुरक्षा देने का काम नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं। उसके जनाधार में महिलाओं, पिछड़ी जतियों के साथ ही परंपरागत वोट भी थोड़ी-बहुत नाराजगी के साथ जुड़ा रहा है। निस्संदेह, विपक्ष भाजपा के सामने कोई वैचारिक विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सका। जो मुद्दे थे भी, उन्हें जमीनी स्तर पर नहीं उतार पाया। ममता बनर्जी के नेतृत्व में मोदी का विकल्प बनने के जो प्रयास शुरू हुए थे उनको इससे झटका लग सकता है। भले ही उ.प्र. में सपा गठबंधन की चुनौती को भांपते हुए भाजपा ने अपनी पूरी मशीनरी जनाधार को बचाने के लिये लगा दी हो, लेकिन इस जीत से योगी आदित्यनाथ का कद पार्टी संगठन में मजबूत हुआ है। एक समय मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने की बात हो रही थी, वही चेहरा नूरानी होकर निकला है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने कई क्षेत्रीय व वंशवादी राजनीतिक दलों के अवसान की भी इबारत लिख दी। उ.प्र. में बसपा का सिमटना और कांग्रेस का हश्र यही कहता है। वहीं पंजाब में अकाली दल के इतिहास में सबसे बड़ी शिकस्त सामने आई है। बहुत संभव है कांग्रेस पार्टी में बाहरी नेतृत्व का प्रश्न एक बार फिर उठे। बहरहाल, चर्चा उ.प्र. में भाजपा की चुनाव इंजीनियरिंग की भी होगी कि गहरे आक्रोश को कम करके भाजपा कैसे सत्ता में लौटी। निस्संदेह, विपक्षी दलों के अस्तित्व के लिये उ.प्र. चुनाव एक अग्नि परीक्षा की तरह ही थे। मगर भाजपा ने उ.प्र. व उत्तराखंड में अपना मत प्रतिशत बढ़ाकर आलोचकों की बोलती बंद कर दी। लेकिन विश्लेषकों को यह सवाल मथ रहा है कि आखिर क्या वजह थी कि बेरोजगारी, महंगाई व व्यवस्था की विसंगतियों से क्षुब्ध होते हुए मतदाता ने मतदान स्थल पर अपना मन बदला।

भाजपा अविजित तो आप नए विकल्प की राह पर!

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

भारत के राजनीतिक भविष्य के लिए बेहद अहम से माने जा रहे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव उसमें भी खासकर उत्तर प्रदेश ने न केवल यह जतला दिया है कि 2024 में दिल्ली की गद्दी का रास्ता फिर वहीं से निकलेगा बल्कि 37 वर्षों का मिथक भी तोड़ दिया कि एक ही दल दोबारा सत्ता में नहीं आता। अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद भाजपा और योगी का उत्तर प्रदेश में दोबारा प्रचण्ड बहुमत लौटना बताता है कि मिथक बस मिथक ही होते हैं जो जनादेश के आगे टूट जाते हैं। नारायण दत्त तिवारी के बाद योगी आदित्यनाथ ही अकेले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने कार्यकाल पूरा कर शानदार वापिसी की है। बेशक यह चुनाव 2024 के आम चुनाव के लिए वो ट्रेलर साबित होंगे जिसने पूरी दिखनी वाली फिल्म की कहानी खोल दी है। अब जैसा कि तय दिख रहा है योगी आदित्यनाथ ही लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे जो 37 वर्षों के बाद होगा तथा राज्य के पांचवें मुख्यमंत्री होंगे जो दूसरे कार्यकाल की जिम्मेदारी निभाएंगे। इससे पहले सिर्फ चार मुख्यमंत्री 1957 में संपूर्णानंद, 1962 में चंद्रभानु गुप्ता, 1974 में हेमवती नंदन बहुगुणा और 1985 में नारायण दत्त तिवारी ही चुनाव के बाद सत्ता में वापसी कर पाए थे। इसी तरह उत्तराखण्ड में दोबारा सत्ता में न आने का मिथक टूट चुका है। भाजपा की सत्ता में शानदार वापसी बता रही है कि मतदाताओं ने पूरा भरोसा किया है और यहाँ 3-3 मुख्यमंत्री बदलने के बाद भी वापसी ने मतदाताओं की परिपक्वता और विश्वास का जनादेश ही दिखाया है। शायद कॉंग्रेस यहाँ भी अपनी अन्दरूनी कलह की वजह से पिछड़ती चली गई। बाँकी 3 राज्यों के नतीजों में पंजाब ने वो इतिहास रचा जो देश की भावी राजनीति का नया विकल्प होने के लिए तेजी से फैलता बरगद साबित हो सकता है। बेशक आम आदमी पार्टी की हैसियत अब क्षेत्रीय दल से बाहर आ रही है जिसको लेकर सभी मानते हैं कि वही कॉंग्रेस की जगह लेती दिखेगी। बिना लाग लपेट कहें तो 10 सालों में जिस तेजी से आम आदमी पार्टी ने अपना जनाधार तैयार किया है उससे भाजपा के शुरुआती दिनों की याद ताजा हो रही है। गोवा और मणिपुर में भाजपा की प्रभावी बढ़त बताती है कि भाजपा अभी भी अविजित है। अब कॉंग्रेस कहाँ होगी? कह पाना मुश्किल है 2024 के आम चुनाव से पहले 10 राज्यों के विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इसी साल के आखिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश तो 2023 में 8 राज्यों के चुनाव होने हैं। इनमें मार्च में पूर्वोत्तर के तीन राज्य मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा तो मई में कर्नाटक और दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों के चुनाव होंगे। जाहिर है 2024 के आम चुनावों की तैयारियों तक 10 राज्यों के चुनावों की झड़ी सामने दिख रही है जिसके लिए भाजपा अड़ी दिख रही है। यकीनन 2024 का इसे शंखनाद कह सकते हैं। विरोधी दलों को एक बार फिर से सोचने को मजबूर करने वाले 5 राज्यों के नतीजों से एक बात तो तय है कि देश की राजनीतिक छवि काफी बदलने वाली है। भाजपा को अव्वल मानने से किसी को भी गुरेज नहीं है लेकिन जिस तरीके से आप पार्टी ने जहाँ जीतती तो वह किसी सुनामी से कम नहीं होती लाकर आने वाले दिनों में खुद को देश के तमाम राज्यों में विकल्प और मजबूत विपक्ष बनने की ओर अग्रसर कर लिया है। उप्र में दलित कार्ड पर राजनीति का बदलता रंग एक बड़ा संकेत जरूर है। हासिए पर आई बसपा और कॉंग्रेस में इसकी अगर सबसे ज्यादा कीमत किसी भी दल को चुकानी पड़ेगी तो वह है कॉंग्रेस। बेशक अगले पौने दो बरस में 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें बसपा कहीं भी लड़ाके की मुद्रा में नहीं है। हाँ, कॉंग्रेस जरूर है जो अंर्तकलह और रणनीतियों में उलझी होगी। कॉंग्रेस के लिए यह नतीजे बड़े कुठाराघात से कम नहीं है। कॉंग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ को छोड़कर उम्मीद की किरण कहीं दिखती नहीं। वहीं आम आदमी पार्टी की पैनी नजर हिमाचल प्रदेश और गुजरात में है। पंजाब में आप की सुनामी से उत्साहित इस पार्टी के हौसले निश्चित रूप से बुलंदियों पर हैं और इसे लेकर जनधारणा, अगले विधानसभा चुनावों में नतीजों में कितनी तब्दील होगी या नहीं इसके लिए तो इंतजार ही करना होगा। हाँ, शिक्षा, स्वास्थ्य, मुफ्त बिजली और गुड गवर्नेंस को लेकर आम आदमी पार्टी का दिल्ली मॉडल धीरे-धीरे जरूर लोकप्रियता की ओर बढ़ रहा है। आगे यह भाजपा के लिए चुनौती जरूर होगा। पंजाब में आप की सुनामी के आगे तमाम दिग्गजों का धराशायी होना राजनीति की नई इबारत लिखने जैसा है। इसके अलग ही परिणाम दिखेंगे, नशा से लेकर किसान आन्दोलन का असर भी बस पंजाब में ही दिखा। लेकिन उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में ऐसा नहीं रहा। हाँ, देश में भाजपा को एक नई और जनआकांक्षाओं के अनुरूप बड़े और कड़े निर्णय लेने का रास्ता उत्तर प्रदेश ने जरूर साफ कर दिया है। योगी आदित्यनाथ को बुलडोजर बाबा के रूप में प्रचारित कर खुद विपक्ष ने आगे बढ़ा कर वो हथियार दे दिया जो उन्हें ले डूबा। जाहिर है इन नतीजों को भू-माफियाओं, अपराधियों पर किए गए प्रहारों पर मुहर कही जा सकती है। हाँ, इसको लेकर मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की भी सोच अब समझ आने लगी है। उन्होंने भी अपराधियों और माफियाओं, सूदखोरों पर हाल ही में जो ताबतोड़ कार्रवाइयाँ की हैं, वह उत्तर प्रदेश की तर्ज पर हैं। 2023 के आखिर में मप्र में चुनाव हैं। जो तेवर शिवराज के दिख रहे हैं उससे लगता है कि यहाँ भी बच्चों में मामा के नाम से लोकप्रिय शिवराज भी अगर बुलडोजर मामा बन गए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। उत्तर प्रदेश की भाँति मध्यप्रदेश में भी भू, रेत और खनन माफियाओं की बढ़ती आपाराधिक गतिविधियों पर जो प्रहार, बतौर प्रयोग शुरू हुआ था, लगता है कि वह अब बड़े स्तर पर कर वो नया करेंगे जो अब तक नहीं हुआ। मणिपुर और गोवा में भी बढ़त से उत्साहित भाजपा के लिए अब पूरे देश में राजनीतिक रूप से नए फैसलों को लेने के लिए इन नतीजों को हरी झण्डा मान देश में राजनीति की नई तस्वीर जरूर दिखेगी और दिखनी भी चाहिए। बेशक उप्र ने योगी आदित्यनाथ को पहले इस्तेमाल करो फिर विश्वास करो के जुमला से ही सही दोबारा सत्ता में पहुंचाया। लेकिन क्या उनके कड़े फैसले देश में सुशासन की नई इबारत लिखेंगे? वहीं अपने कामों के प्रचार से दिल्ली के बाद पंजाब में भी सत्ता में आने वाली आम आदमी पार्टी भी आम लोगों के लिए खास बनकर देश में नया विकल्प बनेगी। हाँ, इतना तो कहा जा सकता है कि भाजपा में सत्ता की धुरी की जोड़ी अब दो नहीं तीन होकर पार्टी को और मजबूत करेंगे। अब योगी, मोदी और अमित शाह ही वो तिकड़ी होंगे जिन पर न केवल भाजपा बल्कि भावी फैसलों का सारा दारोमदार होगा जो कोरोना से लड़ने के बावजूद तमाम आरोप, प्रचार और दुष्प्रचार से इतर अपने लक्ष्य में कामियाब रहे। भारत के परिपक्व और मजबूत लोकतंत्र के लिए हर चुनाव बेमिशाल ही होते हैं ठीक वैसे यह भी रहा।

अंधेरा है, पर रोशनी के लिए लड़ने वाले भी कम नहीं

रुनझुन बेगम, उद्यमी समाजसेवी

सन 1947 में खुदमुख्तारी हासिल करने के बाद हिन्दुस्तान ने अपने चप्पे-चप्पे पर कानून का राज तो घोषित कर दिया, मगर इसके समाज में अब भी ऐसे कई अंधेरे कोने हैं, जहां कानून का कोई अमल-दखल नहीं, जहां इंसानियत हर रोज रौंदी जाती है, कांपती-थर्राती है। रुनझुन बेगम हमारे समाज के इन्हीं स्याह कोनों के लिए एक 'लैंपपोस्ट' हैं। कामरूप (असम) जिले के रंगिया कस्बे की रुनझुन एक गरीब परिवार में पैदा हुईं। वह जिस तबके से आती हैं, उसमें लड़कियां तब किशोरावस्था में ही ब्याह दी जाती थीं। लिहाजा, 2007 में मैट्रिक पास करने के बाद रुनझुन भी ब्याह दी गईं। उस वक्त वह सिर्फ 16 साल की थीं। वह आगे और पढ़ना चाहती थीं, मगर बिरादरी के उसूल आड़े आ गए और वाल्दैन भी इस जिम्मेदारी से जल्द फारिग होना चाहते थे। इस नियति को रंगिया जैसे कस्बों की बेटियां ही नहीं जीती हैं, जिसमें जिम्मेदारी 'पूरी' करने के बजाय उससे 'मुक्ति' की भावनाएं पलती हों, यह हमारे कथित शिक्षित परिवारों से जुड़ी विडंबना भी है। उनमें भी बेटी के ब्याह का फर्ज एक 'बोझ' जैसे एहसास तले हमेशा दबा रहता है। रुनझुन का दांपत्य जीवन शुरू-शुरू में ठीक था, क्योंकि वह एक खिदमद गुजार बीवी और बहू का किरदार जो निभाती रहीं। आसपास की तमाम हमउम्र लड़कियों की जिंदगी भी कुछ ऐसी ही थी। शादी के साल भर बाद उनकी गोद में बड़ी बेटी रिया आ गई थी। मां की भूमिका वैसे भी हर मलाल को मिटा देती है, रुनझुन भी बेटी की मुस्कान से दिन भर की अपनी थकन और शिकायतें धोती रहीं। साल 2010 में दूसरी बेटी नूरी की पैदाइश के बाद ससुराल वालों के तेवर बिल्कुल बदल गए। सास-ससुर की तल्ख बातें देखते-देखते गालियों में तब्दील हो गईं, पति ने भी बात-बात पर जलील करना शुरू कर दिया। रुनझुन के पास इन्हें सहने के सिवा दूसरा कोई चारा नहीं था। यही सामाजिक दस्तूर था। सदियों से पोषित संकीर्ण सोच सिर्फ कानून बना देने से बदल जाया करती, तो इतने सारे इदारों की जरूरत भी क्यों पड़ती? याद कीजिए, बालिग बेटियों को आजादी के साथ वोट डालने का हक फौरन मिल गया था, मगर पैतृक संपत्ति में अपने हिस्से का कानूनी अधिकार पाने में उन्हें तब भी कई दशक लग गए। करीब तीन साल तक रुनझुन इस जहालत और जुल्म को झेलती रहीं। मानसिक उत्पीड़न अब शारीरिक प्रताड़ना तक पहुंच चुका था। कई बार रुनझुन के मन में यह गुनहगार सोच उभरी कि खुद को खत्म करके इस तकलीफ से हमेशा के लिए छुटकारा पा लिया जाए, मगर उनका दीन खुदकुशी को हराम बता रहा था, तो कानून अपराध और एक मां का फर्ज अपनी बेटियों के साथ जुल्म। इसलिए रुनझुन का आजिज मन कई बार उस मोड़ तक जाकर लौट आया। तीन साल से भी ज्यादा वक्त इसी तरह गुजर गया। इसके बाद एक और आजमाइश की घड़ी आई। रुनझुन फिर से मां बनने वाली थीं। एक और बेटी के ख्याल से 'चिंतित' घरवाले किसी सूरत इस बच्चे को दुनिया में लाए जाने के रवादार न थे। पति और ससुराल वालों ने रुनझुन को गर्भपात के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें यह कतई गवारा न था। जाहिर है, उन पर होने वाली ज्यादतियों की सूची बढ़ती गई। अब कोई भी दिन ऐसा न बीतता, जब उनके साथ मार-पीट न की जाए। फिर 11 फरवरी, 2013 का वह दिन आया, जब सब्र ने साथ छोड़ दिया और जेहन ने यह पुख्ता एहसास कराया कि वह किसी दिन मारी जा सकती हैं। अब तक बच्चियों की चिंता पांव में बेड़ियां डाले थी, अब तो यह उलझन भी नहीं रही। आखिर कब्र में पहुंचकर वह उनकी क्या मदद कर सकती थीं? पांच माह की गर्भवती रुनझुन के लिए ससुराल से जान बचाकर भाग निकलना ही एकमात्र रास्ता बचा था। महज 30 रुपये पल्लू में थे, और सामने अनजानी दुनिया। बस में सवार रुनझुन को यह तक पता नहीं था कि जाना कहां है? मदद किससे मांगनी है? गुवाहाटी जा रही उस बस में ही एक दंपति को जैसे ऊपर वाले ने फरिश्ता बनाकर भेज दिया था। उनकी मदद से रुनझुन मानवाधिकार आयोग पहुंचीं और वहां उन्होंने घरेलू हिंसा के खिलाफ अपना मुकदमा दायर कराया। वहीं पर उन्हें पबित्रा हजारिका व एलेन महंत मिले। इन दोनों वकीलों ने मुकदमे में रुनझुन की काफी मदद की। 'निर्मल आश्रय' शरणालय में उनके रहने की व्यवस्था कराई। नाजुक समय था। रुनझुन नौ माह की गर्भवती थीं। गुवाहाटी के पाथरक्वारी इलाके में स्थित इस शरणालय के कर्ताधर्ताओं ने न सिर्फ रुनझुन के सुरक्षित प्रसव की पूरी व्यवस्था की, बल्कि उनके नवजात शिशु और उनका पूरा-पूरा ख्याल रखा। रुनझुन को कुदरत ने इस दफा बेटे से नवाजा। उन्होंने उसका नाम निजामुल हुसैन रखा है। प्यार से वह उसे 'लकी' बुलाती हैं। अगले पांच महीनों तक वह निर्मल आश्रय में ही रहीं। इस दौरान उन्होंने सिलाई-बुनाई का प्रशिक्षण लिया। उन्होंने जब अपना काम शुरू किया, तब वह बमुश्किल 20 रुपये रोज का कमा पाती थीं। दूसरों के जूठन खाकर, उतरन पहनकर वह पैसे जोड़ती रहीं। हुनरमंद रुनझुन की आमदनी कुछ ही समय में रोजाना 200 रुपये तक पहुंच गई। साल 2014 में उन्होंने अपनी दुकान खोली- 'लकी टेलर।' अपने जैसी कई पीड़िता को उन्होंने खुद से जोड़ा और कुछ ही दिनों में वह पूरे असम, बल्कि राज्य के बाहर से भी ऑर्डर लेने लगीं। अब तो उनकी आय लगभग एक लाख रुपये मासिक तक पहुंच चुकी है। पति से तलाक ले चुकी हैं, मगर दोनों बेटियां उनसे दूर हैं। रुनझुन आज खुद जैसी 15 महिलाओं के परिवार पाल रही हैं। असम सरकार की समाज कल्याण मंत्री ने हाल ही में उन्हें सम्मानित किया है।

प्रस्तुति :- चंद्रकांत सिंह

आज के कार्टुन

करिये योग

जग्गी वासुदेव

योग इतना लोकप्रिय क्यों हो रहा है, इसके कई कारण हैं। एक बात ये है कि इससे आप अपने बारे में बहुत सी मूल बातें जान जाते हैं। एक बार एक किंडरगार्टन स्कूल में एक शिक्षिका ने बच्चों से पूछा, 'मैं अगर अपने सिर के बल खड़ी हो जाऊं तो आप लोग देखेंगे कि मेरा चेहरा लाल हो जाएगा क्योंकि शरीर का खून मेरे सिर में आ जाएगा। पर जब मैं अपने पैरों पर खड़ी होती हूं तो ऐसा नहीं होता, बताओ क्यों'? एक छोटा बच्चा बोला, 'क्योंकि पैर खाली नहीं हैं! आप का शरीर एक बैरोमीटर (हवा का दबाव मापने का यंत्र) जैसा है। अगर आप जानते हैं कि इसे कैसे देखना है तो ये आप को आप के बारे में सब कुछ बताएगा। आप अपने बारे में जो कल्पनाएं करते हैं, वह नहीं, आप के बारे में जो सच है वह। आप का मन अत्यंत धोखेबाज है। ये हर दिन आप को आप के बारे में कुछ नया बताता है। अगर आप अपने शरीर को पढ़ना जानते हैं, उसे पहचानते हैं, तो ये आप को वही बताएगा जो है, सच है, एक प्रकार से आप का भूतकाल, वर्तमान और भविष्य। यही कारण है कि मूल रूप से योग शरीर के साथ शुरू होता है। बहुत सी अन्य बातें बदलते फैशन के साथ आती हैं और जाती हैं, लेकिन योग हजारों वर्षो से वैसा ही रहा है और आज भी गति पकड़ रहा है। यद्यपि ये बहुत ही मौलिक ढंग से बताया, सिखाया जाता है और कई बार विकृत रूप से भी, पर ये फिर भी टिका हुआ है। योग ही एक ऐसी व्यवस्था है, जो 15,000 से भी ज्यादा वर्षो से बिना किसी धर्मगुरु के आश्रय या बिना किसी द्वारा बलपूर्वक लागू किए बिना जीवित है, टिकी हुई है। मानवता के इतिहास में ऐसा कहीं भी, कभी भी नहीं हुआ है कि किसी ने किसी के गले पर तलवार रख कर कहा हो, 'तुमको योग करना ही पड़ेगा'। ये इसलिए टिका हुआ है और जीवित है क्योंकि योग खुशहाली लाने की प्रक्रिया की तरह काम करता है, और कुछ भी नहीं। दूसरी बात ये है कि सारी दुनिया में सामान्य रूप से लोग इतने ज्यादा तनावग्रस्त हैं, जैसे पहले कभी नहीं थे। अपनी आंतरिक शांति को संभालने के लिए वे चाहे जो अन्य उपाय करें-डिस्को में जाएं या लंबी ड्राइव पर या फिर पहाड़ों पर चढ़ें, उनसे बस थोड़ा बहुत ही लाभ हुआ है पर समस्या का निदान नहीं मिला है। तो योग की ओर मुड़ना लोगों के लिए स्वाभाविक ही है।

सू-दोकू नवताल -2069

	9	5		1			8	7
3			2					
	4			9	6			1
5					2		3	
		6		4		5		
	8		7					6
6			4	7			5	
					9			8
7	1			5		2	6	

सू-दोकू -2068 का हल

4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2069

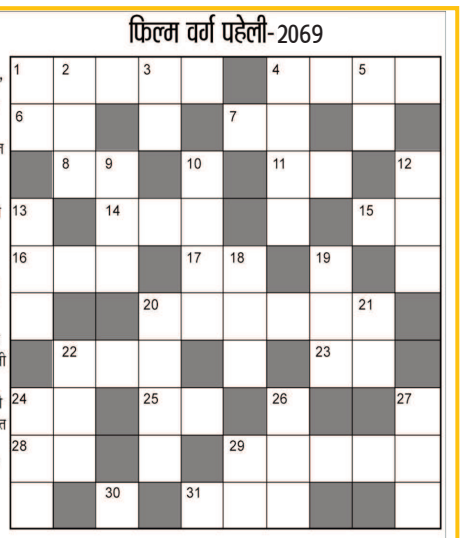

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टार फिल्म-2,1,1
6. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-2
7. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-2
8. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
11. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-2
14. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
15. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल ड्बा' गीत वाली फिल्म-2
16. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-3
17. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-2
20. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-4,2
22. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
23. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
24. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-2
25. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-2
28. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-2
29. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-2,1,2
30. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-1
31. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-2
2. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-3
3. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-2
4. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-4
5. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-2
9. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-3
10. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-2,2
12. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-3
13. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-3
18. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-3
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका?-3
20. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-4
21. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-2
22. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
24. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-3
26. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
27. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-3
29. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2068

जु	दा	ई		उ	त्स	व		ज	ग
में		मा	सु	म		क्त		ग	
	आ	न		रा	नी		दि	ल	से
भा	ई		दे	व		शू	ल		व
	ना			जा	ल		ज	व	क
भ		श	गु	न		द	ला	ल	
रो	टी		ह		दो	स्त		मा	या
सा		जो		आ		क	र्ज		रा
	स	र	फ	रो	श			ना	ना
ह	त्या			प		सं	ग	म	

होली से पहले आती है रंगभरी एकादशी, भोलेनाथ खेलते हैं मां पार्वती के साथ होली

रंगभरी एकादशी 2022 फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को रंगभरी एकादशी कहते हैं। यह एकादशी होली के पूर्व आती है। होलिका दहन 17 मार्च की पूर्णिमा की रात में है और रंगभरी एकादशी 14 मार्च को रहेगी। मान्यता अनुसार इस दिन भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती अपने गणों के साथ होली खेलते हैं।

होली के पूर्व एकादशी के दिन शिव और पार्वती रंग और गुलाल से होली खेलते हैं इसीलिए इसे रंगभरी एकादशी कहते हैं। आमलकी एकादशी के दिन भगवान शिव की नगरी काशी में उनका विशेष श्रृंगार पूजन होता है और उनको दूल्हे के रूप में सजाते हैं। इसके बाद बाबा विश्वनाथ जी के साथ माता पार्वती का गौना कराया जाता है। मान्यतानुसार इस दिन भगवान शिव माता पार्वती और अपने गणों के साथ रंग-गुलाल से होली खेलते हैं। यह दिन भगवान शिव और माता पार्वती के वैवाहिक जीवन से संबंध रखता है।

मान्यता के अनुसार फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी अर्थात महाशिवरात्रि पर शिव और पार्वती का विवाह हुआ था और फाल्गुन शुक्ल रंगभरी एकादशी के दिन भगवान शिव माता पार्वती को विवाह के बाद पहली बार काशी लेकर लाए थे। इस उपलक्ष्य में भोलेनाथ के गणों ने रंग-गुलाल उड़ाते हुए खुशियां मनाई थीं। तब से प्रति वर्ष रंगभरी एकादशी को काशी नगरी में बाबा विश्वनाथ रंग से होली खेलते हैं और माता गौरी का गौना कराया जाता है। इस दिन बाबा विश्वनाथ मां पार्वती के साथ नगर भ्रमण करते हैं और पूरा नगर लाल गुलाल से सरोबार हो जाता है।

आमलकी एकादशी को क्यों कहते हैं रंगभरी एकादशी

आमलकी रंगभरी एकादशी 2022 : 14 मार्च 2022 सोमवार को आमलकी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। यह एकादशी फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष में आती है। इस एकादशी को क्यों कहते हैं रंगभरी एकादशी आओ जानते हैं इसके पीछे का रहस्य।

क्यों कहते हैं रंगभरी एकादशी :

फाल्गुन माह की पूर्णिमा को होलिका दहन होता है, फिर दूसरे दिन धुलेंडी का पर्व मनाया जाता है और इसके बाद चैत्र पंचमी के दिन रंगपंचमी का त्योहार होता है। इससे पूर्व एकादशी के दिन शिव और पार्वती रंग और गुलाल से होली खेलते हैं इसीलिए इसे रंगभरी एकादशी कहते हैं।

आमलकी एकादशी के दिन भगवान शिव की नगरी काशी में उनका विशेष श्रृंगार पूजन होता है और उनको दूल्हे के रूप में सजाते हैं। इसके बाद बाबा विश्वनाथ जी के साथ माता गौरा का गौना कराया जाता है। मान्यतानुसार इस दिन भगवान शिव माता गौरा और अपने गणों के साथ रंग-गुलाल से होली खेलते हैं। यह दिन भगवान शिव और माता गौरी के वैवाहिक जीवन से संबंध रखता है।

मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि पर शिव और पार्वती का विवाह हुआ था और रंगभरी एकादशी के दिन ही भगवान शिव माता पार्वती को विवाह के बाद पहली बार काशी लाए थे। इस उपलक्ष्य में भोलेनाथ के गणों ने रंग-गुलाल उड़ाते हुए खुशियां मनाई थी। तब से हर वर्ष रंगभरी एकादशी को काशी में बाबा विश्वनाथ रंग-गुलाल से होली खेलते हैं और माता गौरा का गौना कराया जाता है। इस दिन बाबा विश्वनाथ मां पार्वती के साथ नगर भ्रमण करते हैं और पूरा नगर लाल गुलाल से सरोबार हो जाता है।

होली रंगों का त्योहार है, और रंगों से ही इसका असली मजा है। रंगों का इस्तेमाल केवल मस्ती या मजे के लिए ही नहीं किया जाता, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही धार्मिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी इन रंगों का विशेष महत्व है। जानिए इन रंगों का महत्व

होली पर रंग खेलने से पहले जानिए रंगों का मन पर कैसा होता है असर

लाल रंग

लाल रंग ऊर्जा, साहस, महत्वाकांक्षा, क्रोध, उत्तेजना, उत्साह और पराक्रम का प्रतीक है। वहीं इस रंग को प्रेम और कामुकता का प्रतीक भी माना जाता है। लाल रंग द्वारा रक्त व हृदय संबंधी समस्याओं और मानसिक क्षीणता, आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याओं को हल किया जाता है। वहीं धार्मिक दृष्टि से भी लाल रंग का अत्यधिक महत्व है। देवी साधना में यह बेहद महत्वपूर्ण है।

सफेद

सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। यह अशांत मन को शांति प्रदान करता है, विद्या प्राप्ति में सहायता करता है और जीवन में सकारात्मकता का संचार कर मन और मस्तिष्क में सात्विकता प्रदान कर शुद्ध करता है। अत्यधिक क्रोधी स्वभाव के लोगों के लिए यह रंग बेहद सकारात्मक है।

हरा

हरा रंग शीतलता, ताजगी, हरियाली, सकारात्मकता, अपरिवर्तनशीलता, गौरव, प्रसन्नता का प्रतीक है। यह तनाव दूर कर, नाड़ी संबंधी रोगों, लिवर, आंत के रोगों एवं रक्त शोधन के लिए महत्वपूर्ण है। यह आत्मविश्वास, प्रसन्नता और शीतलता प्रदान करता है। इसे बुद्धि का रंग भी कहा जाता है। हरा रंग सौभाग्य और समृद्धि का भी सूचक है।

नीला

नीला रंग प्रेम, कोमलता, विश्वास, स्नेह, वीरता, पौरुषता को दर्शाता है। यह रक्तचाप, सांस संबंधी रोगों व आंखों के लिए फायदेमंद होता है। धार्मिक और ज्योतिष की दृष्टि से भी इस रंग का काफी महत्व है। हल्का नीला यानि आसमानी रंग शरीर में जल तत्व का प्रतिनिधित्व करता है और आध्यात्मिक विकास को दर्शाता है।

पीला

पीला रंग आरोग्य, शांति, सुकून, योग्यता, ऐश्वर्य और यश को दर्शाता है, वहीं हल्का पीला रंग बीमारी का सूचक है। पित्त व पाचन संबंधी समस्याओं में यह लाभकारी है। पीला रंग युवावस्?था को भी दर्शाता है। यह बौद्धिक विकास को भी दर्शाता है और खुशी का अनुभव कराता है। पीला रंग स्पष्टवादिता का भी प्रतीक है।

ब्रजमंडल के वे स्थान, जहां श्रीकृष्ण ने की थीं कई लीलाएं और रहती है जहां होली की धूम

गोवर्धन : जहां उन्होंने गोवर्धन पर्वत को उठाकर नई परंपरा और त्योहार को प्रकट किया।

बरसाना : जहां उनकी प्रेमिका राधा रानी रहती थीं।

मथुरा : जहां उनका जन्म हुआ, कंस का वध किया और जहां रहकर जरासंध से कई युद्ध किए।

संपूर्ण ब्रजमंडल में होली और रास की बड़ी धूम रहती है। ब्रजमंडल में खासकर मथुरा में लगभग 45 दिन के होली के पर्व का आरंभ वसंत पंचमी से ही हो जाता है। बसंत पंचमी पर ब्रज में भगवान बांकेबिहारी ने भक्तों के साथ होली खेलकर होली महोत्सव की शुरुआत की थी। तभी से यह परंपरा चली आ रही है।

कृष्ण के प्रपौत्र वज्र को बहुत सी जगह पर वज्रनाभ भी लिखा गया है। वज्रनाभ द्वारिका के यदुवंश के अंतिम शासक थे, जो यदुओं की आपसी लड़ाई में जीवित बच गए थे। द्वारिका के समुद्र में डूबने पर अर्जुन द्वारिका गए और वज्र तथा शेष बची यादव महिलाओं को हस्तिनापुर ले गए। कृष्ण के प्रपौत्र वज्र को हस्तिनापुर में मथुरा का राजा भी घोषित किया था। जब वज्रनाभ मथुरा के राजा बने, उस समय पूरा ब्रजमण्डल उजाड़ पड़ा था। उन्होंने महाराज परीक्षित और महर्षि शांडिल्य के सहयोग से संपूर्ण ब्रजमंडल की पुन: स्थापना की थी। वज्रनाभ के नाम से ही मथुरा क्षेत्र को ब्रजमंडल कहा जाता है। मथुरा क्षेत्र में सिर्फ मथुरा ही नहीं और भी बहुत कुछ है, हां श्रीकृष्ण ने लीलाएं रची थी।

गोकुल-नंदगांव : मथुरा की जेल में जन्म लेते ही श्रीकृष्ण इस क्षेत्र में पहुंच गए थे जहां उनका बचपन गुजरा और कई असुरों का वध किया और देवों का उद्धार किया।

वृंदावन-मधुबन : श्रीकृष्ण जब थोड़े बड़े हुए तो वृंदावन उनका प्रमुख लीला स्थली बन गया। उन्होंने यहां रास रचा और दुनिया को प्रेम का पाठ पढ़ाया।

होलिका दहन, धुलेंडी और रंगपंचमी पर पूजा के लिए शुभ मुहूर्त

होली 2022 : 17 मार्च को होलिका दहन होगा, 18 मार्च को धुलेंडी के त्योहार रहेगा। भद्रा के कारण कई ज्योतिष 19 मार्च को धुलेंडी मनाने की सलाह दे रहे हैं। 22 मार्च को रंगपंचमी का पर्व मनाया जाएगा। आओ जानते हैं तीनों प्रमुख दिनों के शुभ मुहूर्त।

होलिका दहन मुहूर्त :

फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा 17 मार्च दोपहर 1.13 बजे से 18 मार्च दोपहर 1.03 बजे तक रहेगी।

होलिका दहन एवं पूजा मुहूर्त: 17 मार्च रात्रि 09:21 से 10:31 तक।

निशिता मुहूर्त: रात्रि 11:42 से 12:30 तक रहेगा।

अशुभ समय और योग

राहु काल: मार्च 17 गुरुवार को राहुकाल दोपहर 01:37 से 03:07 तक।

शूल योग: 17 मार्च प्रात: 02:38 से 18 मार्च 01:08 तक।

यमगण्ड : 06:05:53 से 07:36:05 तक।

भद्रा : दोपहर 01:29 से रात्रि 01:12 तक।

भद्रा पूंछ का समय- रात 09.06 मिनट से 10.16 मिनट तक। अत: इस समयावधि में होलिका दहन किया जाता सकता है।

धुलेंडी रंगवाली मुहूर्त:

- 18 मार्च 2022 प्रात: होली पूजा मुहूर्त- 04:53 से 06:04 तक।
- 18 मार्च 2022 अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:42 से 12:30 तक।

रंगपंचमी के मुहूर्त

- 22 मार्च 2022 दिन मंगलवार को रंग पंचमी है।
- पंचमी तिथि सुबह 6.50 मिनट से प्रारंभ होकर 23 मार्च 2022 तड़के 4.20 मिनट पर समाप्त होगी।
- अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:41 से दोपहर 12:29 तक।
- विजय मुहूर्त : दोहनर 02:07 से 02:55 तक।
- गोधूलि मुहूर्त : शाम 05:58 से 06:22 तक।
- निशिता मुहूर्त : राशि 11:41 से 12:28 तक।

अगले महीने लगेगा साल का पहला सूर्य ग्रहण, इन राशि वालों की चमक जाएगी किस्मत

ज्योतिषशास्त्र में सूर्य ग्रहण को एक महत्वपूर्ण घटना माना जाता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, नए साल 2022 में साल कुल चार ग्रहण लगने का योग बना है। इसमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण लगेंगे। हालांकि, इन सभी ग्रहणों में से कुछ ग्रहण भारत में दिखाई देंगे तो वहीं, कुछ ग्रहणों को भारत में आंशिक रूप या नहीं देखा जा सकेगा। ऐसे में जहाँ ग्रहण नहीं देखे जाएंगे, वहां इनका सूतक काल भी प्रभावी नहीं होगा। लेकिन जहाँ ग्रहण दिखाई पड़ेंगे, वहां इसका प्रभाव हर व्यक्ति के ऊपर किसी न किसी रूप से ज़रूर पड़ेगा।

साल 2022 का पहला सूर्य ग्रहण 30 अप्रैल 2022 को लगेगा। यह आंशिक सूर्य ग्रहण होगा, जो कि दोपहर 12 बजकर 15 मिनट से शाम 04 बजकर 07 मिनट तक रहेगा। यह ग्रहण दक्षिण/पश्चिम अमेरिका, प्रशांत अटलांटिक और अंटार्कटिका में दिखाई देगा। ज्योतिषाचार्य डॉ राजेंद्र प्रकाश गुप्त के अनुसार नए साल का यह पहला ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा क्योंकि यह खगोलीय घटना देश में सूर्योदय से पहले होगी। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, सूर्य ग्रहण का प्रभाव सभी 12 राशियों पर देखने को मिलेगा। हालाँकि, कुछ राशियों पर इसका विशेष प्रभाव देखने को मिलेगा। आइए जानते हैं इन राशियों का राशिफल -

धनु राशि

धनु राशि के जातकों को सूर्य ग्रहण से शुभ परिणाम हासिल होंगे। आपको कार्यस्थल में सफलता हासिल होगी। आपके काम को सराहा जाएगा और आपको वरिष्ठ अधिकारीयों का सहयोग प्राप्त होगा। अगर किसी नई योजना पर काम करना चाह रहे हैं तो समय आपके अनुकूल है। इस दौरान आपको धन अर्जित करने के कई अवसर मिलेंगे। जो जातक विदेश जाने का सपना देख रहे हैं, उनकी इच्छा पूरी होगी। आपको कहीं से अटका हुआ धन मिल सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए साल 2022 का पहला सूर्य ग्रहण बेहद शुभ साबित होगा। इससे आपको धन लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कार्यस्थल में आपको मान -सम्मान हासिल होगा। कार्यक्षेत्र में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापारी जातकों के लिए भी यह ग्रहण फलदायी साबित होगा। इस दौरान आप कारोबार के सिलसिले में यात्रा पर जा सकते हैं, जिससे आपको धन लाभ होगा। सरकारी नौकरी वाले जातकों को अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों के लिए ये सूर्य ग्रहण काफी शुभ परिणाम लेकर आएगा। आपको कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल होगी। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें किसी अच्छी नौकरी का ऑफर मिल सकता है। कार्यस्थल में पदोन्नति और इंक्रीमेंट के अच्छे योग हैं। जो लोग नया काम शुरू करना चाह रहे हैं, उनकी योजनाएँ सफल होंगी। आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं, जिससे आपको धन अर्जित करने के मौके मिलेंगे।

होली पर मां लक्ष्मी भी देती हैं वरदान, खरीदें चांदी की 3 चीज, चमक जाएंगे दिन

इस होली पर खरीदना ना भूलें चांदी की डिबिया, चांदी की बिछिया और चांदी का छल्ला

दीपावली पर आप अक्सर सोना-चांदी खरीदते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि होली पर भी चांदी खरीदने का महत्व है। आइए जानें होली पर क्यों खरीदें चांदी... इस दिन चांदी लाने से घर में ऐश्वर्य का आगमन होता है।

चांदी की डिबिया: होली के दिन चांदी की डिबिया और सिक्का खरीदें और पीले वस्त्रों में काली हल्दी के साथ एक चांदी की डिबिया में चांदी का सिक्का रखकर धन रखने के स्थान पर रख देने से वर्ष भर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। होली पर भी मां लक्ष्मी वरदान देती है। नई चांदी की डिबिया में होली की भस्म रखने से वर्ष भर आरोग्य और सौभाग्य का वास रहता है।

चांदी की बिछिया: इस दिन चांदी की बिछिया खरीद कर दूध में धोएं और सुहागन महिला को दान में दें और घर की सौभाग्यवती स्त्री खुद भी धारण करें। इससे भी मां लक्ष्मी आंगन में आती है।

चांदी का छल्ला: इस दिन चांदी का छल्ला खरीद कर होली पूजन में रखें और इसी दिन धारण करें। बदल जाएगी किस्मत, चमक जाएंगे दिन।

रजिस्ट्रेशन और फंक्शन के लिए जारी हुआ नोटिफिकेशन

अब डिजिटाइज होगी व्हीकल स्क्रेपिंग फैसिलिटी

मुंबई ।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोटर व्हीकल्स (रजिस्ट्रेशन और व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी अमेंडमेंट) नियम, 2022 से संबंधित मसौदा अधिसूचना जारी किया है। ये मोटर व्हीकल्स (रजिस्ट्रेशन और वाहन स्क्रैपिंग फैसिलिटी) के नियम दिनांक 23 सितंबर 2021 में संशोधन हैं, जो रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रेपिंग फैसिलिटी की स्थापना के लिए प्रक्रिया निर्धारित करते हैं। ये संशोधन, इकोसिस्टम के सभी हितधारकों, जैसे वाहन मालिकों, आरवीएसएफ ऑपरेटरों, डीलरों, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकारों आदि के लिए वाहन स्क्रेपिंग की प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने के लिए किए गए हैं। ये संशोधन, नियमों पर प्राप्त फीडबैक के आधार पर किए गए हैं।कारोबार में आसानी सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाओं को समयबद्ध बनाया गया है। मसौदा अधिसूचना वाहन मालिकों को वाहन स्क्रेंपिंग के लिए डिजिटल रूप से आवेदन करने का प्रावधान करती है और वाहन स्क्रैपिंग के लिए सभी आवेदन डिजिटल रूप से जमा करने होंगे। आरवीएसएफ वाहन मालिकों को अपने वाहनों को स्क्रैप करने के लिए डिजिटल रूप से आवेदन करने में मदद करने के लिए सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करेगा। वाहन मालिक द्वारा आवेदन जमा करने से पहले वाहन डेटाबेस से की जाने वाली आवश्यक जांच को निर्दिष्ट किया गया है। इन जांचों में शामिल हैं- वाहन का किराया-खरीद, सीज या अवधारणा समझौता जमा करना, नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के रिकॉर्ड में वाहन के खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, वाहन पर कोई बकाया नहीं है और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों द्वारा वाहन को ब्लैकलिस्ट करने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। इनमें से किसी भी जांच में विफल रहने वाले वाहनों के लिए आवेदन जमा नहीं किए जाएंगे।

वाहन जमा करने के समय वाहन मालिक और आरवीएसएफ ऑपरेटर द्वारा वचन-पत्र की शुरुआत से यह सुनिश्चित होगा कि स्क्रैपिंग के लिए प्रस्तुत करने से पहले और बाद में वाहन की जिम्मेदारी में पारदर्शिता बरती गई है।

सोने का आयात चालू वित्त वर्ष के पहले 11 माह में बढ़कर 45 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष के पहले 11 माह (अप्रैल-फरवरी) में देश का सोने का आयात 73 प्रतिशत बढ़कर 45.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। मांग बढ़ने से सोने का आयात में बढ़ोतरी हुई है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में सोने का आयात 26.11 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार फरवरी, 2022 में बहुमूल्य धातु का आयात हालांकि 11.45 प्रतिशत घटकर 4.7 अरब डॉलर रह गया। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 माह में सोने का आयात बढ़ने से देश का व्यापार घाटा भी बढ़ा है। 2021-22 के पहले 11 माह में व्यापार घाटा बढ़कर 176 अरब डॉलर हो गया है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 89 अरब डॉलर रहा था। चीन के बाद भारत सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। सोने का आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की जरूरत को पूरा करने के लिए किया जाता है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह अप्रैल-दिसंबर में रत्न एवं आभूषणों का निर्यात 57.5 प्रतिशत बढ़कर 35.25 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक के अनुसार चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में देश का चालू खाते का घाटा (कैड) 9.6 अरब डॉलर या सकल घरेलू उत्पाद का 1.3 प्रतिशत रहा। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) के चेयरमैन कोलिन शाह ने कहा कि अप्रैल-फरवरी, 2022 के रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) के चेयरमैन कोलिन शाह ने कहा कि अप्रैल-फरवरी, 2022 के दौरान सोने का मासिक आयात औसतन 76.57 टन रहा है, जो सामान्य स्तर से कम है। उन्होंने बताया कि इस अवधि में सोने का आयात 842.28 टन रहा है, जो सामान्य आयात से कम है।

रुचि सोया 24 मार्च को पेश करेगी एफपीओ, 4300 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

मुंबई ।

खाद्य तेल फर्म रुचि सोया 24 मार्च को अपना अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) लाएगी, इसके तहत उसकी 4,300 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना है। रुचि सोया ने बताया कि बोर्ड की एक समिति ने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) को मंजूरी दे दी है। बोर्ड ने बोली के लिए निर्गम को 24 मार्च 2022 को खोलने और 28 मार्च 2022 को बंद करने की मंजूरी भी दी। कंपनी को पिछले साल अगस्त में एफपीओ लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिली थी। रुचि सोना ने जून 2021 में ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था। डीआरएचपी के अनुसार रुचि सोया कुछ बकाया कर्ज को चुकाने, अपनी कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों और अन्य सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए निर्गम से मिली आय का इस्तेमाल करेगी। पतंजलि ने 2019 में 4,350 करोड़ रुपये में एक दिवाला प्रक्रिया के माध्यम से रुचि सोया का अधिग्रहण किया था। कंपनी के प्रवर्तकों के पास फिलहाल करीब 99 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी को एफपीओ के इस दौर में कम से कम नौ फीसदी हिस्सेदारी बेचनी है। सेबी के नियमों के मुताबिक कंपनी में कम से कम 25 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी होनी चाहिए। प्रवर्तकों के पास अपनी हिस्सेदारी को घटाकर 75 फीसदी करने के लिए करीब तीन साल का समय है।

चालू वित्त वर्ष में संशोधित अनुमानों से 10,000 करोड़ रुपए अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण चालू वित्त वर्ष (2021-22) में सरकार का उर्वरक सब्सिडी बिल लगभग 10,000 करोड़ रुपए बढ़ सकता है लेकिन कर राजस्व बढ़ने से राजकोषीय घाटे को अनुमानित 6.9 प्रतिशत के करीब रखने में मदद मिलेगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि अमेरिका और ओपेक के सदस्य देशों द्वारा उत्पादन बढ़ाने के कारण अगले 2-3 महीनों में कच्चे तेल की कीमतें कम होने की उम्मीद है। संशोधित अनुमानों (आरई) के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में उर्वरक सब्सिडी 1.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक रह सकती है, जबकि अगले वित्त वर्ष के बजट अनुमानों (बीई) के मुताबिक सब्सिडी 1.05 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहेगी। अधिकारी ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि अगले 2-3 महीनों में कच्चे तेल की कीमतें कम हो जाएंगी। तेल की

बढ़ती कीमतों से उर्वरक सब्सिडी को छोड़कर चालू वित्त वर्ष में सरकार के बजट में कोई बदलाव नहीं आएगा। उर्वरक सब्सिडी के लगभग 10,000 करोड़ रुपए तक बढ़ने का अनुमान है।'' अधिकारी ने आगे कहा कि चूंकि किसानों को बुवाई के मौसम की शुरुआत से पहले उर्वरकों के भंडारण की जरूरत होती है, ऐसे में पोटाश के आयात के लिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों के कम होने तक इंतजार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा प्राकृतिक गैस की कीमतों में बढ़ोतरी से यूरिया की घरेलू कीमतों में वृद्धि होगी। अधिकारी ने कहा कि सब्सिडी में इस वृद्धि के बावजूद राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष में संशोधित अनुमानों के अनुरूप 6.9 प्रतिशत के स्तर के करीब रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी बाजार से दो उत्पाद वापस लेगी मैकलियॉड्स फार्मा

मुंबई । मैकलियॉड्स फार्मास्युटिकल्स विनिर्माण मानदंडों को पूरा करने में विफल रहने के कारण अमेरिकी बाजार से अपने दो उत्पाद वापस मंगा रही है। अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन (यूएसएफडीए) की रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। मैकलियॉड्स की अमेरिकी दवा इकाई एम्लोडेपिन और ओल्मेसर्टन मेडोक्सोमिल टैबलेट की 3,672 बोतलें बाजार से वापस मंगा रही है। इन दवाओं का इस्तेमाल उच्च रक्तचाप के इलाज में होता है। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक के अनुसार, न्यू जर्सी की कंपनी मैकलियॉड्स फार्मा यूएसए इंक अच्छे विनिर्माण व्यवहार को पूरा करने में विफल रहने की वजह से इन दवाइयों को बाजार से वापस मंगा रही है। इन दवाइयों का विनिर्माण मुंबई की कंपनी मैकलियॉड्स फार्मा ने अपने हिमाचल प्रदेश के बद्दी संयंत्र में किया है।

रुचि सोया 24 मार्च को पेश करेगी एफपीओ

नई दिल्ली । रुचि सोया ने शेयर बाजार को बताया कि बोर्ड की एक समिति ने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) को मंजूरी दे दी है। बोर्ड ने बोली के लिए निर्गम को 24 मार्च को खोलने और 28 मार्च को बंद करने की मंजूरी भी दी। कंपनी को पिछले साल अगस्त में एफपीओ लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिली थी। रुचि सोना ने जून 2021 में ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था। डीआरएचपी के अनुसार रुचि सोया कुछ बकाया कर्ज को चुकाने, अपनी कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों और अन्य सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए निर्गम से मिली आय का इस्तेमाल करेगी। पतंजलि ने 2019 में 4,350 करोड़ रुपए में एक दिवाला प्रक्रिया के माध्यम से रुचि सोया का अधिग्रहण किया था। कंपनी के प्रवर्तकों के पास फिलहाल करीब 99 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी को एफपीओ के इस दौर में कम से कम नौ फीसदी हिस्सेदारी बेचनी है। सेबी के नियमों के मुताबिक कंपनी में कम से कम 25 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी होनी चाहिए। प्रवर्तकों के पास अपनी हिस्सेदारी को घटाकर 75 फीसदी करने के लिए करीब तीन साल का समय है।

एफपीआई ने भारतीय बाजारों से अब तक निकाले 45,608 करोड़

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय बाजारों से निकासी का सिलसिला लगातार छठे महीने जारी है। मार्च में अब तक एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 45,608 करोड़ रुपए निकाले हैं। बाजार के जानकारों का कहना है` कि एफपीआई मान रहे हैं कि जिंस कीमतों में तेजी से भारत अधिक प्रभावित होगा। इसकी वजह यह है कि भारत कच्चे तेल का प्रमुख आयातक है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने दो से 11 मार्च के दौरान शेयरों से 41,168 करोड़ रुपए निकाले हैं। इसके अलावा उन्होंने ऋण या बांड बाजार से 4,431 करोड़ रुपये तथा हाइब्रिड माध्यमों से नौ करोड़ रुपये की निकासी की है। इस तरह उनकी शुद्ध निकासी 45,608 करोड़ रुपए रही है। यह लगातार छठा महीना है जबकि एफपीआई भारतीय बाजारों में बिकवाल बने हुए हैं। मुख्य रूप से एफपीआई वित्तीय और आईटी कंपनियों के शेयर बेच रहे हैं। इसकी वजह है कि इसके अलावा अगस्त-सितंबर, 2021 से डॉलर मजबूत हो रहा है। एफपीआई के पोर्टफोलियो में सबसे अधिक इन्हीं शेयरों की हिस्सेदारी है। इसके अलावा अगस्त-सितंबर, 2021 से डॉलर मजबूत हो रहा है। अमेरिका में ब्याज दरें भी अब बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव की वजह से भी उनकी निकासी बढ़ी है।

रतनइंडिया फिनटेक मंच के लिए मार्च, 2023 तक बैंकों से गठजोड़ करेगी

नई दिल्ली। रतनइंडिया एंटरप्राइजेज ने अगले वित्त वर्ष के ओ खिर मार्च, 2023 तक सभी बैंकों के साथ गठजोड़ की योजना बनाई है। कंपनी हाल में वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कारोबार में उतरी है। फिलहाल कंपनी के वित्तीय प्रौद्योगिकी मंच बैंकसे का ऋण उत्पादों की पेशकश के लिए 21 बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ करार है। रतनइंडिया के चेयरपर्सन राजीव रतन ने कहा` कि हमारा अगले वित्त वर्ष के अंत तक सभी बैंकों के साथ करार का इरादा है। सभी बैंक हमारे मंच पर अपने उत्पादों की पेशकश करेंगे। उन्होंने दावा कि दोपहिया और व्यक्तिगत ऋण की मंजूरी मात्र दो मिनट में दी जाती है। रतन ने कहा कि आगे चलकर हम अपने मंच से और उत्पाद जोड़ेंगे। हमारा विचार सभी वित्तीय उत्पादों के लिए पूर्ण मार्केटप्लेस बनने का है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हमारा मंच ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ पेशकश की तुलना करने की भी सुविधा देता है। यह ऐसा है जिसमें पूंजी का जोखिम नहीं है। यह ऐसा है जिसमें पूंजी का जोखिम नहीं है। क्रेडिट स्कोर की जांच और कर्ज देने का काम वित्तीय संस्थान करते हैं। बैंक या वित्तीय संस्थान रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार ही कर्ज देते हैं। बैंकसे एक पूर्ण डिजिटल वित्तीय एग्रीगेटर मंच है जिस पर एंड्रॉयड मोबाइल वेब पोर्टल के जरिये पहुंचा जा सकता है।

इकोनॉमिक रिकवरी की रफ्तार अच्छी, लेकिन कच्चे तेल की कीमत से लग सकता है झटका

बिजनेस डेस्क ।

कोविड-19 के बाद भारत के आर्थिक पुनरुद्धार की रफ्तार अच्छी है और वृद्धि दर भी अनुमान से बेहतर है। यह आगे भी जारी भी रहेगा लेकिन कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से पुनरुद्धार को 'झटका' लग सकता है। जानी-मानी अर्थशास्त्री आशिमा गोयल ने रविवार को यह राय जताई। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की सदस्य गोयल ने कहा कि महंगाई अभी भी मोटे तौर पर केंद्रीय बैंक के संतोषजनक स्तर के अंदर बनी हुई है, साथ ही आपूर्ति की परिस्थितियां बेहतर होने से इसके और नरम होने के संकेत मिल रहे हैं। गोयल ने कहा, ''भारत में कोविड-19 के बाद आर्थिक पुनरुद्धार अच्छी गति से जारी है और वृद्धि दर अनुमान से अधिक है। उच्च वृद्धि का कारण केवल आधार प्रभाव नहीं है बल्कि 2020 में वृद्धि में काफी गिरावट आने के बाद 2021 में भारत की वृद्धि कई अन्य देशों के मुकाबले कहीं अच्छी रही है।'' उन्होंने कहा कि इसके पीछे भारत द्वारा सुधारों को जारी रखना और वृहद आर्थिक नीतियां हैं। गोयल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (द्धस्न) के 2020 और 2021 के लिए जनवरी के वृद्धि आंकड़े बताते हैं कि भारत के मुकाबले कई अन्य देशों की वृद्धि में गिरावट कहीं अधिक रही है, यह बात और है कि पहले लॉकडाउन के बाद भारत की वृद्धि में गिरावट के बारे में काफी नकारात्मक बातें कहीं गईं।

कच्चे तेल में तेजी से ग्रोथ पर दिखेगा असर

यूक्रेन संकट के भारतीय अर्थव्यवस्था पर असर के बारे में गोयल ने कहा, ''पुनरुद्धार में निरंतरता बनी रहेगी लेकिन कच्चे तेल की कीमतों के लगातार उच्चस्तर पर बने रहने से वृद्धि में कुछ नरमी आ सकती है।'' उन्होंने कहा, ''अभी मौद्रिक और वित्तीय नीति में तेल की ऊंची कीमतों से लगने वाले झटकों को व्यवस्थित तरीके से बर्दाश्त करने के लिए गुंजाइश है।''

चालू वित्त वर्ष में ग्रोथ रेट 8.9त्न रहने का अनुमान

सरकार के हालिया आंकड़ों के अनुसार, एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष में 8.9 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद हैं। हालांकि यह पहले के 9.2 फीसदी के अनुमान से कम है। मॉर्गन स्टैनली ने 1 अप्रैल से शुरू होने वाले वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 50 फीसदी घटाकर 7.9 फीसदी कर दिया है। इसके साथ उसने रिटेल महंगाई के अनुमान को बढ़ाकर 6 फीसदी कर दिया है।

तेल- तिलहन बाजार साप्ता हिक समीक्षा बीते सप्ताह तेल-तिलहनों की कीमतों में सुधार का रुख रहा

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में मांग बढ़ने और आयातित तेलों का भाव में बढ़ोतरी होने से बीते सप्ताह देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली, सीपीओ सहित लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव सुधार के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि भारत अपनी खाद्य तेल जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है। यूक्रेन और रूस के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच पिछले लगभग डेढ़ महीने से मंडियों में सूरजमुखी तेल की आवक नहीं हो रही है। जो सूरजमुखी तेल थोड़ी बहुत मात्रा में आ भी रहा है, उसे अर्जेंटीना से आयात किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सूरजमुखी तेल की वैश्विक आवश्यकता के लगभग 80 प्रतिशत भाग की आपूर्ति यूक्रेन और रूस करते हैं। इन दोनों देशों के बीच छिड़े युद्ध के लंबा खिंचने से सूरजमुखी की अगली बिजाई प्रभावित होने की आशंका है। आयातित तेल के मुकाबले देशी तेल सस्ता होने की वजह से मांग बढ़ने के कारण भी तेल-तिलहनों के भाव में सुधार आया। अर्जेंटीना में सूरजमुखी तेल का दाम बढ़कर 2,300 डॉलर प्रति टन हो गया है जिसका रिफाइंड तेल देश में लगभग 200 रुपए किलो पड़ता है। इस भाव के मुकाबले मूंगफली का तेल लगभग 40 रुपए किलो सस्ता है। इसलिए सूरजमुखी के विकल्प के रूप में मूंगफली के साथ-साथ सरसों की भी खपत बढ़ी है। यह सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में सुधार का मुख्य कारण है। जानकारी के मुतो बिक मांग बढ़ने से अपने पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 225 रुपए के सुधार के साथ 7,725-7,750 रुपए प्रति क्विंटल हो गया। सरसों दादरी तेल 1,075 रुपए सुधरकर 16,300 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी पर्याप्त सुधार के साथ बंद हुईं। विदेशी बाजारों में तेजी के बीच सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के भाव क्रमशः 275-275 रुपए के सुधार के साथ क्रमशः 7,775-7,825 रुपए और 7,475-7,575 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी सुधार रहा। सोयाबीन दिल्ली, इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव क्रमशः 750 रुपए, 810 रुपए और 520 रुपए का सुधार दर्शाते क्रमशः 17,150 रुपए, 16,810 रुपए और 15,720 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली दाने का भाव 425 रुपए के सुधार के साथ 6,850-6,945 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, जबकि मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली सॉल्वेंट के भाव क्रमशः 1,220 रुपए और 175 रुपये सुधरकर क्रमशः 16,020 रुपए प्रति क्विंटल और 2,645-2,835 रुपए प्रति टिन पर बंद हुए। प्रति क्विंटल और 2,645-2,835 रुपए प्रति टिन पर बंद हुए। सुधार के साथ 15,450 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल का भाव भी 550 रुपए के सुधार के साथ 15,350 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

चाय उद्योग ने सरकार से मांगा विशेष वित्तीय पैकेज

कोलकाता । चाय उद्योग ने सरकार से विशेष वित्तीय पैकेज की मांग की है। चाय उद्योग के प्रतिनिधियों ने कहा है कि यह क्षेत्र गंभीर संकट का सामना कर रहा है और वित्तीय पैकेज के बिना इसको आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाए रखना मुश्किल है। चाय उद्योग के निकायों की हाल में वाणिज्य पर संसद की स्थायी समिति के साथ बैठक हुई थी जिसमें क्षेत्र के समक्ष आ रही चुनौतियों के बारे में ज्ञापन भी दिया गया। भारतीय चाय संघ (आईटीए) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस बैठक में उद्योग के सामान्य मुद्दों पर विचार किया गया। इसमें विशेष रूप से दार्जिलिंग की चाय की चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि दार्जिलिंग में चाय का उत्पादन काफी अधिक घट गया है। यह 1.2 करोड़ किलोग्राम से घटकर 60 लाख किलोग्राम रह गया है। दार्जिलिंग में चाय का उत्पादन घटने के कई कारण हैं। वहां पहाड़ी क्षेत्र की वजह से चाय बागानों का विस्तार संभव नहीं है। इसके अलावा पुनः पौधरोपण भी काफी मुश्किल है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा दार्जिलिंग की चाय के दाम लगातार नीचे आ रहे हैं। 2016 से 2021 के दौरान दार्जिलिंग की चाय के दाम सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत घटे हैं। इसके अलावा दार्जिलिंग की चाय के दाम लगातार नीचे आ रहे हैं। 2016 से 2021 के दौरान दार्जिलिंग की चाय के दाम सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत घटे हैं। दार्जिलिंग का चाय उद्योग आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं रह गया है। निर्यात में भी अन्य से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में हम चाहते हैं कि चाय उद्योग की मदद के लिए सरकार वित्तीय पैकेज प्रदान करे। उन्होंने कहा कि उद्योग ने बैंकों से पूंजीगत ऋण पर ब्याज सहायता की भी मांग की है।

सेबी के पास नए दस्तावेज जमा कराए बिना सरकार के पास एलआईसी का आईपीओ लाने को 12 मई तक का समय

नई दिल्ली।

सरकार के पास भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास नए दस्तावेज दाखिल किए बिना जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए 12 मई तक का समय है। सरकार ने पहले एलआईसी के लगभग 31.6 करोड़ शेयरों या पांच प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री के लिए मार्च में आईपीओ लाने की योजना बनाई थी। इस आईपीओ से करीब 60,000 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद थी। हालांकि, रूस-यूक्रेन संकट के बाद शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव को देखते हुए आईपीओ की योजना पटरी से उतर गई है। एक अधिकारी ने कहा, ''सेबी के पास दाखिल दस्तावेजों के आधार पर आईपीओ लाने के लिए हमारे पास 12 मई तक का समय है। हम उतार-चढ़ाव पर नजर रखे हुए हैं और जल्द ही कीमत के दायरे के साथ आरएचपी दाखिल करेंगे।'' अगर सरकार 12 मई तक आईपीओ नहीं ला पाती है, तो उसे दिसंबर तिमाही के नतीजे बताते हुए सेबी के पास नए कागजात दाखिल करने होंगे। अधिकारी ने आगे कहा कि हालांकि पिछले एक पखवाड़े में बाजार में उतार-चढ़ाव कम हुआ है, अधिकारी ने आगे कहा कि हालांकि पिछले एक पखवाड़े में बाजार में उतार-चढ़ाव कम हुआ है, लेकिन बाजार के और स्थिर होने का इंतजार किया जाएगा, ताकि खुदरा निवेशकों को शेयर में निवेश करने का भरोसा मिले। एलआईसी ने खुदरा निवेशकों के लिए अपने कुल आईपीओ आकार का 35 प्रतिशत तक आरक्षित रखा है। अधिकारी ने कहा, ''खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्से को पूरा भरने के लिए लगभग 20,000 करोड़ रुपये की जरूरत है।

लगभग 20,000 करोड़ रुपये की जरूरत है। हमारे बाजार आकलन के अनुसार, वर्तमान खुदरा मांग शेयरों के पूरे कोटे को भरने के लिए पर्याप्त नहीं है।''

डीएसएफ-तीन तेल दौर की बोली एक अप्रैल से : डीजीएफ

नई दिल्ली । खोज किए गए छोटे क्षेत्रों की नीति (डीएफएस-तीन) के बोली दौर के तहत 75 छोटे और सीमान्त तेल एवं गैस खोजों की नीलामी एक अप्रैल से शुरू होगी। हाइड्रोकॉर्बन महानिदेशालय (डीजीएफ) ने यह जानकारी दी है। इन क्षेत्रों में ज्यादातर ओएनजीसी के पास है। इन क्षेत्रों के लिए तीसरी बोली का दौर 10 जून, 2021 को शुरू किया गया था। बोलियां जमा करने की मूल तारीख 31 अगस्त, 2021 थी। हालांकि इसे टालकर 29 अक्टूबर, 2021 कर दिया गया। उसके बाद इसकी शुरुआत को फिर टालकर एक फरवरी, 2022 किया गया। यह 15 मार्च, 2022 को संपन्न होनी थी। बोली की तिथि नजदीक आने के साथ इसे फिर बिना कोई वजह बताए टाल दिया गया। डीजीएफ ने कहा कि डीएसएफ बोली दौर- तीन के तहत बोलियां जमा करने की शुरुआत एक अप्रैल, 2022 से होगी। यह 16 मई, 2022 को संपन्न होगी। डीएसएफ-तीन के तहत 32 अनुबंधित क्षेत्रों की पेशकश की जाएगी। इनमें 75 क्षेत्र शामिल हैं जो कुल 13,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक में फैले हैं। सरकार ने डीएसएफ को अक्टूबर, 2015 में शुरू किया था। इसका मकसद सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया की उनकी खोजों का मौद्रीकरण करना था जिन्हें अभी बाजार में नहीं चढ़ाया जा सका है। डीएसएफ के दो बोली दौर 2016 और 2018 में आयोजित किए गए थे। इनके तहत 101 क्षेत्रों के साथ 54 अनुबंधित क्षेत्रों की पेशकश की गई थी।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज की महिला टीम पर लगाया जुर्माना

हैमिल्टन । आईसीसी महिला विश्व कप के तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम से हारी वेस्टइंडीज पर दोहरी गाज गिरी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस मैच में धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम पर मैच फीस का 40 फीसदी जुर्माना लगाया है। एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के शांड्रे फ्रिट्ज द्वारा वेस्टइंडीज की कप्तान स्टैफनी टेलर की ओर से तय समय से दो ओवर कम डालने पर यह जुर्माना लगाया गया है। मैदानी अंपायर एलोइस शेरिडन और पॉल विल्सन, तीसरे अंपायर अहमद शाह पकतीन और चौथे अंपायर रुचिरा पल्लियागुरुगे ने इंडीज टीम पर धीमे ओवर रेट के आरोप लगाये थे। आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है। उसके तहत खिलाड़ियों पर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया जाता है, जब उनकी टीम आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहती है। वहीं टेलर ने अपनी गलती मान और जुर्माना स्वीकार कर लिया जिस कारण औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। इस मैच में स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर के शतकों से भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को 155 रनों से हराया।

साथियान ने जीत के साथ शुरुआत की, शरत और मनिका सिंगापुर स्मैश से बाहर

नयी दिल्ली ।

भारत के दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान ने 20 लाख डॉलर इनामी सिंगापुर स्मैश 2022 टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को यहां चीनी ताइपे के पेंग युव इन कोएन के खिलाफ 11-6, 8-11, 11-9, 11-8 की जीत के साथ की। दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी साथियान को 140वें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी। साथियान अगले दौर में दुनिया के साथियान अगले दौर में दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी चीन के लिन गाओयुआन और दक्षिण कोरिया के 59वें नंबर के खिलाड़ी लिम जोंगहुन के बीच होने वाले राउंड आफ 64 मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। दुनिया के 34वें नंबर के अनुभवी खिलाड़ी शरत कमल को हालांकि 40 मिनट से भी कम समय में स्वीडन के 31वें नंबर के खिलाड़ी एंटोन कालबर्ग के खिलाफ 1-3 (11-6, 7-11, 6-11, 8-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारत की एक अन्य दिग्गज खिलाड़ी मनिका बत्रा भी मो झेंग के खिलाफ हार के साथ पहले दौर में बाहर हो गई। दुनिया की 46वें नंबर की खिलाड़ी मनिका को चीनी मूल की कनाडाई खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद 12-14, 12-10, 13-11, 11-8 से शिकस्त झेलनी पड़ी। दुनिया की 46वें नंबर की खिलाड़ी मनिका को चीनी मूल की कनाडाई खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद 12-14, 12-10, 13-11, 11-8 से शिकस्त झेलनी पड़ी। इस बीच भारत की सुहाना सैनी और यशस्विनी घोरपड़े ने शुक्रवार इस बीच भारत की सुहाना सैनी और यशस्विनी घोरपड़े ने शुक्रवार रात रोमानिया की एलेना जाहरिया और लूसियाना मित्रोफान को सीधे गेम में 11-9, 11-7, 11-6 से हराकर डब्ल्यूटीटी युवा स्टार कंटेंडर दोहा 2022 में पहला स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले स्टार कंटेंडर में कोई भी भारतीय यह उपलब्धि हासिल नहीं कर पाया था।

महिला विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 141 रनों से हराया

वेलिंगटन ।

आईसीसी महिला विश्व कप क्रिकेट के अपने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान न्यूजीलैंड को 141 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एलिस पैरी, ताहिला मैकग्रा और एशले गार्डनर ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। पैरी ने 68 और मैकग्रा ने 57 रन बनाये। जिसके बाद गार्डनर ने 18 गेंद में 48 रन की आतिशी पारी खेली। इस मैच में मेजबान कीवी टीम ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 269 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान कीवी टीम 30.2 ओवर में 128 रनों पर ही आउट हो गयी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से डार्सी ब्राउन ने तीन विकेट लिए। वहीं अमांडा जेड वेलिंगटन और गार्डनर ने दो-दो विकेट लिए। इसके अलावा पैरी , मैकग्रा और मेगान तीनों ने एक-एक विकेट लिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन मैचों में लगातार तीन जीत से छह अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए रशेल हेन्स 30 और हीली 15 ने दस ओवर में 37 रन बनाये। इसके बाद हीली 15 और कप्तान मेग लैनिंग 5 रनों पर ही आउट हो गये। पैरी और बेथ मूनी 30 ने इसके बाद चौथे विकेट के लिये 57 रन बनाये। मूनी के आउट होने के बाद पैरी की जोड़ी मैकग्रा के साथ बनी। दोनों ने 90 रन की भागीदारी कर ऑस्ट्रेलिया को 200 रनों के पार कराया। पैरी ने अपनी पारी के दौरान एक छक्का और छह चौके जबकि मैकग्रा ने आठ चौके लगाए। इन दोनों के आउट होने के बाद गार्डनर ने तेजी से रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 250 रनों के ऊपर पहुंचाया। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से ली ताहूहू ने 53 रन देकर तीन विकेट लिए। । लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

विराट की जरुरत बनी रहेगी : डु प्लेसी

बेंगलुरू । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के नये कप्तान फाफ डु प्लेसी ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा है कि विराट ने कप्तानी छोड़ दी है पर अब भी टीम को हर कदम पर उनके जोश और उर्जा की जरुरत रहेगी। विराट के पिछले सत्र में ही कप्तानी छोड़ने की घोषणा के बाद अब डु प्लेसी को कप्तान बनाया गया है। डु प्लेसिस ने कप्तान बनने पर कहा कि कोहली कप्तान नहीं रहने के बाद भी जिस प्रकार का जुनून और उर्जा खिलाड़ियों में भरते हैं वह अहम है। इसलिए उनकी उर्जा का पूरा उपयोग किया जाएगा। डु प्लेसी के अनुसार कोहली की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट में बदलाव आये हैं। एक खिलाड़ी के रूप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है , इसलिए बल्लेबाजी के अलावा कप्तान के तौर पर भी टीम के लिए बेहतरीन काम किया था। इसी कारण भारतीय क्रिकेट में बदलाव आया है। टीम के पास कोहली के अलावा ग्लेन मैक्सवेल और दिनेश कार्तिक जैसे और खिलाड़ी भी हैं जिन्हें फ्रेंचाइजी क्रिकेट में कप्तानी का अच्छा अनुभव है। डु प्लेसी ने हालांकि कहा कि टीम को स्टार खिलाड़ी एबी डिविलियर्स की कमी महसूस होगी। इस खिलाड़ी की जगह लेना बेहद कठिन है। साथ ही कहा कि विश्व का कोई भी खिलाड़ी डिविलियर्स की कमी पूरी नहीं कर सकता। दुनिया में ऐसा कोई खिलाड़ी नहीं है जो एबी के जगह लेने का प्रयास करे। उसका दर्जा काफी बड़ा है। मेरे पास कुछ बड़े खिलाड़ी हैं लेकिन वे कभी एबी की उपलब्धि की बराबरी नहीं कर सकते। डिविलियर्स आरसीबी के स्टार बल्लेबाज रहे हैं पर संन्यास लेने के कारण अब वह आईपीएल में नजर नहीं आयेंगे।

विलियमसन, बोल्ट और साउथी आईपीएल के शुरुआती मैचों में खेल सकेंगे

क्राइस्टचर्च ।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड अब नीदरलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 ओर एकदिवसीय सीरीज के लिए एक अलग टीम तैयार कर रहा है। इस टीम में केवल उन्हीं क्रिकेटरों को शामिल किया गया है जो आईपीएल नहीं खेल रहे हैं। ऐसे में केन विलियमसन, ट्रेंट बोल्ट और टिम साउथी सहित सभी 12 कीवी खिलाड़ी शुरुआती मैचों से ही आईपीएल से जुड़ सकेंगे जबकि पहले इन खिलाड़ियों का शुरु के मैचों में खेलना संदिग्ध था। न्यूजीलैंड को नीदरलैंड के साथ 26 मार्च को एकमात्र टी-20 मैच खेलना है जबकि इसके बाद 3 एकदिवसीय मैच 29 मार्च से शुरू होंगे यह 4 अप्रैल तक चलेंगे। अगर न्यूजीलैंड के यह 12 खिलाड़ी बोर्ड रोक लेता तो वह आईपीएल के पहले दो सप्ताह उपलब्ध नहीं होने थे क्योंकि भारत में आकर इन्हें आईपीएल से पहले अपना क्वारंटाइन भी पूरा करना था। अब न्यूजीलैंड के ये खिलाड़ी अगले सप्ताह भारत के लिए रवाना हो जाएंगे ताकि अपनी टीमों के साथ अभ्यास कर सकें। वहींऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन गुजरात टाइटन्स तो इसी सप्ताह टीम में शामिल हो जाएंगे। जबकि डेवोन कॉनवे, डेरिल मिशेल 15 मार्च तक टीम से जुड़ेंगे। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों का शुरुआती मैचों में खेलना संदिग्ध है। उसके

खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज खेलेंगे। इस दौरान आठ दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी आईपीएल इस दौरान आठ दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी आईपीएल इस दौरान आठ दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी आईपीएल के शुरूआती कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। इसी कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका से बातचीत कर रहा है ताकि इन खिलाड़ियों को शुरुआत से खेलने का अवसर मिल सके।

अगर राहत मिलती है तो अफ्रीकी स्टार भी आईपीएल के शुरूआत में ही उपलब्ध हो सकते हैं।

रोनाल्डो सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर बने

लंदन ।

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो ने प्रीमियर लीग में टोटेनहम के खिलाफ गोल करते ही विश्व फुटबॉल में एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। रोनाल्डो अब विश्व फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर बन गये हैं। रोनाल्डो ने 807 गोल के साथ ही पेशेवर फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल स्कोरर के रूप में अपना नाम दर्ज किया है। रोनाल्डो ने सबसे ज्यादा गोल की दौड़ में जोसेफ बीकन को पीछे छोड़ा। बीकन के नाम 805 गोल हैं। क्रिस्टियानो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर से खेलते हुए 12वें मिनट में अपने करियर का 805वां गोल किया। वहीं हैरी केन ने 35वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 38वें मिनट में रोनाल्डो ने जादोन सांचो के शानदार क्रॉस को गोल में बदल कर करियर का 806 वां गोल किया और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। वहीं टोटेनहम के हैरी मगुइर ने 72वें मिनट में गोल करके चलते स्कोर 2-2 कर दिया और इस प्रकार मैनचेस्टर ने बढ़त खो दी। मैनचेस्टर ने इसके बाद तब बढ़त बनाई जब रोनाल्डो ने 81वें मिनट में एक हैट्रिक लगायी। रोनाल्डो ने पिछले 13 कैलेंडर वर्षों में से प्रत्येक में क्लब स्तर पर हैट्रिक लगायी है। यह रोनाल्डो के करियर की 59वीं हैट्रिक थी और 2008 के बाद से ओल्ड ट्रैफर्ड के लिए उनकी पहली हैट्रिक थी। रोनाल्डो ने इसी के साथ ही अपने क्लब करियर की 49वीं हैट्रिक बनाई और अगस्त 2003 (37साल और 146 दिन) में टेडी शेरिंघम के बाद तिहरा नेट करने वाले प्रीमियर लीग के इतिहास में दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। इसके अलावा रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए अपना 94वां और 95वां प्रीमियर लीग गोल भी रिकॉर्ड किया।

विश्व एथलेटिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे तूर , दुती और श्रीशंकर

नई दिल्ली । सर्बिया के बेलग्रेड में 18 से 20 मार्च तक होने वाली विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में भारतीय दल प्रतिनिधित्व तजिंदरपाल सिंह तूर (गोला फेंक), एम श्रीशंकर (लंबी कूद) और फर्राटा धाविका दुती चंद करेंगे।भारतीय खिलाड़ी 15 मार्च को इस चैंपियनशिप के लिए बेलग्रेड रवाना होंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने कहा कि तूर और श्रीशंकर को उनकी रैंकिंग के आधार पर प्रवेश मिला है जबकि दुती को विश्व एथलेटिक्स ने महिलाओं की 60 मीटर स्पर्धा में भाग लेने का आमंत्रण मिला है। श्रीशंकर को उनकी रैंकिंग के आधार पर प्रवेश मिला है जबकि दुती को विश्व एथलेटिक्स ने महिलाओं की 60 मीटर स्पर्धा में भाग लेने का आमंत्रण मिला है। इस चैंपियनशिप की जूरी के सदस्य सुमरिवाला ने कहा, ''रोड टू बेलग्रेड 2022 की सूची में श्रीशंकर 14वें और तूर 18वें स्थान पर हैं। विश्व एथलेटिक्स ने दुती को 60 मीटर स्पर्धा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।'' तीनों भारतीय एथलीटों की स्पर्धाएं 18 मार्च को होंगी।

बोनर और होल्डर की साझेदारी से वेस्टइंडीज ने ड्रॉ कराया पहला टेस्ट

सेंट जोंस ।

इंग्लैंड और मेजबान टीम वेस्टइंडीज के बीच यहां पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ड्रॉ रहा है। इस मैच में जीत के लिए मेजबान टीम वेस्टइंडीज को 70 ओवर में जीत के लिए 286 रनों का लक्ष्य मिला था। इसका पीछा करते हुए अंतिम दिन वेस्टइंडीज टीम खेल समाप्त होने के समय तक चार विकेट पर 147 रन ही बना पायी। बोनर 38 रन और होल्डर 37 रन बनाकर नाबाद रहे। इन दोनो ही खिलाड़ियों ने चार विकेट पर 67 रनों के स्कोर से पारी को आगे बढ़ाते हुए अपनी टीम को हार से बचाया। इससे पहले मेहमान टीम इंग्लैंड ने अंतिम दिन अपनी पारी घोषित कर दी थी। मेहमान टीम ने अंतिम दिन कप्तान जो रूट के 109 रनों की सहायता से दूसरी पारी लंच से पहले छह विकेट पर 349 रन पर घोषित कर दी थी। रुट ने इस पारी के दौरान अपना 24 वां शतक भी लगाया। मेहमान टीम के स्पिनर जैक लीच ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी के तीन विकेट लिए 49वें ओवर में लीच की गेंद होल्डर के पैड पर लगी और उन्होंने अपील की पर इंग्लैंड ने रिव्यू नहीं लिया।

इंग्लैंड ने अपना अंतिम रिव्यू 53वें ओवर में लिया जब लीच को लगा कि गेंद होल्डर के बल्ले का किनारा लेती हुई विकेटकीपर के पास गई पर यह रिव्यू भी बेकार गया। 58वें ओवर में बोनर को क्रेग ओवरटन की गेंद पर पगबाधा आउट किया गया पर बोनर ने रिव्यू लेने का फैसला किया।

अय्यर की शानदार पारी से भारत ने बनाये 252, श्रीलंका 86/6

बेंगलुरु ।

श्रेयस अय्यर की शानदार पारी की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां मेहमान टीम श्रीलंका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में 252 रन बनाये। दिन रात्रि के इस मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और टीम के अन्य बल्लेबाज श्रीलंकाई गेंदबाजों के खिलाफ उम्मीद के अनुसार पदर्शन नहीं कर पाये। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने भी पलटवार करते हुए दिन का खेल समाप्त होने के समय तक श्रीलंकाई पारी के छह विकेट 86 रनों के अंदर ही गिरा दिये। दिन का खेल समाप्त होने समय निरोशन डिकवेला 13 और लासिथ इमबुलदिनिया 0 रन बनाकर क्रीज पर थे। श्रीलंकाई टीम की पहली पारी की शुरूआत भी खराब रही। भारतीय तेज गेंदबाज बुमराह ने श्रीलंकाई ओपनर कुशल मेंडिस को 2 रन पर श्रेयस के हाथों कैच आऊट करा दिया।बुमराह के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने श्रीलंकाई कप्तान करुणारत्ने को चार रन पर ही आउट कर दिया। बुमराह के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने श्रीलंकाई कप्तान करुणारत्ने को चार रन पर ही आउट कर दिया। इसके बाद शमी ने डीसिल्वा को 10 रन पर आउट कर श्रीलंका का चौथा विकेट गिरा दिया। बुमराह ने इसके बाद लाहिरु थिरमाने को भी 8 रन पर ही आउट कर दिया। भारत की ओर से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अंतिम क्षणों में अनुभवी बल्लेबाज एंजिलो मैथ्यूज को विकेट लिया।

मैथ्यूज ने 85 गेंदों पर 43 रन बनाए। इस मैच से वापसी कर रहे अक्षर पटेल ने असलांका को केवल 5 रन ही आउट कर दिया। इससे पहले भारतीय पारी के दौरान रविन्द्र जडेजा नाकाम रहे और 4 रन बनाकर आउट हो गये। ऋषभ पंत 39 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। अय्यर ने अच्छी बल्लेबाजी कर भारतीय टीम को संभाला। अय्यर ने शानदार अर्धशतक लगाया। कप्तान रोहित शर्मा भी इस मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये और 15 रनों पर ही आउट हो गये।

संक्षिप्त समाचार

दर्शक के अपशब्दों के बाद हारी नाओमी ओसाका

इंडियन वेल्स । दर्शक के अपशब्दों से परेशान स्टार खिलाड़ी नाओमी ओसाका को बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। ओसाका को एकतरफा मुकाबले में सीधे सेट में 6-0, 6-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। ओसाका पहले सेट में जब पीछे चल रही थी तो एक महिला दर्शक ने उन्हें स्टैंड से अपशब्द कहे। जापान की खिलाड़ी ओसाका इसके बाद चेयर अंपायर के पास पहुंची और उनसे कार्रवाई करने को कहा लेकिन अंपायर ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह कौन था और कार्रवाई नहीं की जा सकती।

सचिन , सहवाग के क्लब में शामिल हुए अय्यर

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने श्रीलंका के खिलाफ पहली पारी में बनाये 92 रनों की अपनी पारी की बदौलत एक विशिष्ट क्लब में जगह बनायी है। अय्यर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बाद 90 के स्कोर पर स्टंप आउट होने वाले चौथे बल्लेबाज बने हैं। साल 2001 में इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच के दौरान सचिन 90 रन पर स्टंप हुए थे। वहीं सहवाग श्रीलंका के खिलाफ साल 2010 में खेले गये कोलंबो टेस्ट में 99 रन पर आउट हुए थे। इस सूची में पहले नंबर पर दिग्गज बल्लेबाज दिलीप वेंगसरकर थे जिन्होंने साल 1987 में पाकिस्तान के खिलाफ चेन्नई टेस्ट मैच के दौरान 96 रन बनाये थे।

जीत के लिए शुरु से लय बनानी होगी : यशस्वी

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि उनकी टीम को आईपीएल में शुरु से ही लय बनानी होगी। यशस्वी के अनुसार उनकी टीम अच्छी और संतुलित है पर जीत के लिए उसे साहसिक फैसले भी लेने होंगे। पिछले साल दस मैचों में 148.21 की औसत से रन बनाने वाले इस बल्लेबाज को रॉयल्स ने इस बार भी तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ ही बरकरार रखा है। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह बढ़े हुए मनोबल ओर उम्मीद के साथ इस सत्र की प्रतीक्षा कर रहा है। साथ ही कहा कि हमारी टीम के पास वह सब कुछ है जो किसी टीम को जीत के लिए चाहिये होता है। टीम के पास बल्लेबाजों और गेंदबाजों का अच्छा संतुलन है और वह मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम है। गौरतल है कि रॉयल्स ने साल 2008 में खिताब जीता पर उसके बाद से ही वह फाइनल में नहीं पहुंच सकी है। जायसवाल ने कहा कि हमें पता है कि यहां से जीतने के लिये क्या करना है पर इसके लिए मैदान पर हिम्मत ओर हौंसला दिखाने की जरूरत रहेगी। जीत के लिए कई बार हमें साहसिक फैसले भी लेने होते हैं इसलिए उनसे पीछे नहीं हटना चाहिये।

शाकिब अपने रुख से पलटे , राष्ट्रीय टीम से खेलने तैयार हुए

ढाका । बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने अपने पहले वाले फैसले से पलटते हुए कहा है कि वह इस साल तीनों प्रारूपों टेस्ट, एकदिवसीय ओर टी-20 में राष्ट्रीय टीम से खेलने के लिए तैयार है। इससे पहले शाकिब ने दक्षिण अफ्रीका दौरे से इंकार करते हुए कहा कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रुप से तरोताजा होने के लिएब्रेक की जरुरत है। वहीं बोर्ड अध्यक्ष नजमुल हसन से बातचीत के बाद शाकिब के रुख में बदलाव आया है। शाकिब ने कहा है कि मैं तीनों प्रारूपों में उपलब्ध रहूंगा और बोर्ड तय करेगा कि मुझे कब आराम देना है। मैं दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए उपलब्ध हूं। अब मैं मानसिक रूप से बेहतर स्थिति में हूं। दक्षिण अफ्रीका जाने के बाद मैं बेहतर हो सकता हूं। कभी-कभी ऐसा होता है जब आप बेहतर माहौल में जाते हैं तो आप अच्छा महसूस करते हैं। नजमुल ने स्पष्ट किया कि दौरे में शामिल होना इस बात की गारंटी नहीं है कि शाकिब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पूरी श्रृंखला के लिए उपलब्ध होंगे। बोर्ड अध्यक्ष ने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि शाकिब को आराम भी मिले।

नरेश पटेल को समाज के बजाए राष्ट्रहित की राजनीति को महत्व देना चाहिए- दिलीप संघाणी

अहमदाबाद।

पाटीदार समाज के आस्था के केन्द्र खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल के राजनीति जुड़ने की चर्चा के बाद भाजपा, कांग्रेस और आदमी पार्टी (आप) उन्हें अपने साथ जोड़ने की कोशिशों जुटी हुई हैं। नरेश पटेल ने पहले भी कहा था कि पाटीदार समाज चाहेगा तो वह राजनीति के मैदान में उतरेंगे और हाल में फिर एक बार अपने बयान को दोहराया है। जिसमें उन्होंने कहा कि आगामी 20 मार्च से 30 मार्च के बीच वह राजनीति से जुड़ने पर फैसला करेंगे। नरेश पटेल के ताजा बयान के बाद आज भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप संघाणी की प्रतिक्रिया सामने आई है। दिलीप संघाणी ने कहा कि कहीं हार्दिक पटेल को समाज के बजाए राष्ट्रहित की राजनीति को महत्व देना चाहिए। नरेश पटेल को राजनीति से जुड़ना चाहिए या नहीं यह उनका व्यक्तिगत फैसला हो सकता है। समाज कोई सामूहिक फैसला नहीं करता। कई लोग कहते रहते हैं कि मेरी राजनीति में आने की कोई ईच्छा नहीं थी, लेकिन समाज के कहने पर राजनीति में आया हूं। हांलाकि समाज कभी किसी से राजनीति से जुड़ने की सलाह नहीं देता। दिलीप संघाणी ने कहा कि समाज के नाम पर राजनीति करने के बजाए राष्ट्र के हित में राजनीति करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लेउआ पटेल की सबसे पुरानी संस्था का मैं प्रमुख हूं। हार्दिक पटेल का उदाहरण देते हुए दिलीप संघाणी ने कहा कि हार्दिक ने भी समाज के नाम पर राजनीति की थी और आज उसकी क्या हालत यह किसी से छिपी नहीं है। नरेश पटेल की भी हार्दिक पटेल जैसी हालत न हो तो अच्छा है। उन्होंने कहा कि लेउवा पटेल की संस्था के प्रमुख के तौर पर मैं नरेश पटेल का सम्मान करता हूं, परंतु राजनीति से जुड़ना उनका निजी फैसला है। वैसे हार्दिक पटेल ने भी पहले कहा था कि वह राजनीति से नहीं जुड़ेंगे, लेकिन बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गए। हांलाकि हार्दिक पटेल के आने से कांग्रेस को कोई बड़ा फायदा मिला हो ऐसा फिलहाल लगता नहीं है। क्योंकि कोई बड़ा चुनाव जिताने में हार्दिक पटेल की भूमिका नहीं है। साथ ही हार्दिक पटेल का भी अब कोई खास प्रभुत्व नहीं दिखता। दिलीप संघाणी ने कहा कि इसी साल के अंत में गुजरात विधानसभा के चुनाव आ रहे हैं, जिसे लेकर सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अबकी बार गुजरात में त्रिकोणीय मुकाबला होगा। क्योंकि पंजाब में जीत के बाद आम आदमी पार्टी काफी जोश में है। ऐसे में भाजपा, कांग्रेस और आप के बीच मुकाबला होगा। आप और कांग्रेस दोनों ही राजनीतिक दल अपनी पार्टी में किसी बड़े पाटीदार चेहरे को लाने का प्रयास कर रही हैं। नरेश पटेल का लेउआ पटेल में काफी प्रभाव है, हांलाकि राजनीति में आने के बाद उन्हें कितना समर्थन मिलेगा यह आनेवाला वक्त ही बताएगा। क्योंकि पाटीदार आंदोलन के दौरान हार्दिक पटेल को भरपूर समर्थन मिला था, लेकिन राजनीति में आने के बाद अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

गुजरात सरकार ने राज्य की स्कूल-कॉलेजों को पत्र जारी कर हिजाब मुद्दे पर सतर्क किया

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने राज्य की सभी स्कूल-कॉलेज समेत सभी शैक्षिक संस्थाओं को एक परिपत्र जारी किया है। जिसमें राज्य की स्कूल-कॉलेजों में हिजाब विवाद पैदा न हो इसके लिए सतर्क रहने का आदेश दिया है। हिजाब मद्दे पर कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के बाद गुजरात सरकार ने यह परिपत्र जारी किया है। राज्य के शिक्षा विभाग की ओर से जारी परिपत्र में कहा गया है कि 'हिजाब विवाद के मुद्दे पर सतर्क रहें ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो और कानून-व्यवस्था की स्थिति बनी रहे।' यह परिपत्र कमिश्नर ऑफ स्कूल, डिरेक्टर ऑफ हायर एज्युकेशन, डिरेक्टर ऑफ टेकनिकल एज्युकेशन, सर्व शिक्षा अभियान, डिरेक्टर ऑफ प्राइमरी स्कूल्स और गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को भेजा गया है। गुजरात के शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी जिला शिक्षाधिकारी और उच्च शैक्षिक संस्थाओं के मुखियाओं को भी इस संदर्भ में परिपत्र जारी कर स्पष्ट किया है कि राज्य की स्कूल-कॉलेजों में हिजाब के मुद्दे पर विवाद नहीं होना चाहिए। गुजरात के शिक्षा विभाग द्वारा जारी परिपत्र में कहा गया है कि भारत सरकार से मिले निर्देश के मुताबिक महिलाओं के हिजाब को लेकर हुए विवाद के अंतर्गत स्कूल-कॉलेजों में इस प्रकार की घटना न हो और कानून व्यवस्था बरकरार रहे इसके लिए ऐहतियाती कदम उठाए जाएं। शिक्षा विभाग के विभिन्न विभागों द्वारा राज्य के सभी जिला शिक्षाधिकारियों को भी सतर्क रहने का आदेश दिया गया है।

गुजरात की स्कूलों में कक्षा 6 से 12 में पढ़ाई जाएगी 'श्रीमद् भगवद् गीता'

अहमदाबाद।

गुजरात सरकार ने राज्य की स्कूलों में कक्षा 6 से कक्षा 12 में 'श्रीमद् भगवद् गीता' पढ़ाने का फैसला किया है और यह फैसला राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत किया है। इससे पहले राज्य के शिक्षा विभाग ने कक्षा 1 और 2 में अंग्रेजी विषय अनिवार्य करने का फैसला किया है। गुजराती के साथ ही अंग्रेजी विषय को अनिवार्य करने के बाद सरकार ने श्रीमद भगवद गीता पर महत्वपूर्ण फैसला किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा व्यवस्था और शैक्षिक संस्थाओं को मार्गदर्शन देनेवाले मूलभूत सिद्धांत दिए गए। जिसमें एक सिद्धांत विद्यार्थियों में भारत की समृद्ध, विविधतायुक्त, प्राचीन, आधुनिक संस्कृति और ज्ञान प्रणाली और परंपरा के प्रति गर्व हो ऐसे प्रयास करने पर जोर दिया गया है। ताकि राज्य की स्कूलों के विद्यार्थी भारतीय संस्कृति से जुड़ें। यह जुड़ाव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मददरूप हो इस प्रकार भारतीय संस्कृति और ज्ञानप्रणाली का स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। पहले चरण में श्रीमद् भगवद् गीता को परिचय हो इस प्रकार स्कूली पाठ्यक्रम में दाखिल करना चाहिए।

गुजरात सरकार ने राज्य में प्राथमिक शिक्षा को लेकर बड़ा फैसला किया है। राज्य में अब पहली और दूसरी कक्षा में अंग्रेषी विषय अनिवार्य किया जाएगा। बता दें कि इससे पहले पांचवीं कक्षा में अंग्रेजी विषय की शुरुआत की गई थी। लेकिन अब सरकार ने पहली और दूसरी कक्षा से ही अंग्रेजी विषय शामिल करने का फैसला किया है। गुजरात विधानसभा में आज शिक्षा विभाग की मांगों पर जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने यह घोषणा की। शिक्षा मंत्री ने यह भी स्पष्टता की है कि गुजरात विषय अनिवार्य है और रहेगा, लेकिन उसके साथ अंग्रेजी विषय भी दाखिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि मौजूदा दौर में अंग्रेजी भाषा ज्ञान का कितना महत्व है। आप कहीं जाएं वहां अंग्रेजी की जरूरत होती है।

कोई मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब के लिए जाएं या विदेश में हर जगह अंग्रेजी भाषा की दरकार होती है। कई बार ऐसा भी होता है कि गांवों में प्राथमिक शिक्षा के दौरान बच्चों को अंग्रेजी का ज्यादा ज्ञान नहीं होता और उनके मुकाबले शहरी स्कूलों के बच्चे अंग्रेजी ज्यादा जानते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जो बच्चे बचपन से अंग्रेजी पर पकड़ मजबूत कर लेंगे, उन्हें आगे चलकर कोई मुश्किल नहीं होगी। राज्य सरकार ने इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण फैसला कर एक नई पहल की है। राज्य सरकार के फैसले से अब राज्य के बच्चों को शुरुआत से ही अंग्रेजी भाषा का ज्ञान मिलने लगेगा।

गुजरात के 31 जिले और 4 महानगरों में कोरोना का एक भी नया मरीज नहीं

अहमदाबाद।

गुरुवार को गुजरात के 31 जिले और 4 महानगरों में कोरोना का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ। 24 घंटों में राज्यभर में कोरोना के केवल 24 नए केस सामने आए हैं, जबकि 53 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट गए। राज्य के 22 जिले और 2 महानगर में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। दूसरी ओर राज्यभर में किशोरों समेत 159743 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 14 नए केस सामने आए हैं। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 3, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 2, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, वडोदरा में 2 और पाटन में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 24 नए मामले दर्ज किए गए। जबकि अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, खेडा, कच्छ, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सूरत, सुरेन्द्रनगर, तापी, वलसाड समेत 31 जिले और राजकोट, जूनागढ़, जामनगर तथा भावनगर समेत 4 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी नया केस दर्ज नहीं हुआ।

वहीं अहमदाबाद, अमरेली, बनासकांठा, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, कच्छ, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, तापी, सूरत समेत 21 जिले और जूनागढ़, जामनगर समेत 2 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। फिलहाल राज्य में कोरोना के 414 सक्रिय मरीजों में 408 स्टेबल हैं और 6 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य में अब तक 1212357 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि 10939 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है। दूसरी ओर राज्य में टीकाकरण मजबूती के साथ चल रहा है, इसके अंतर्गत आज किशोरों समेत 159743 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। जिसमें 18 वर्ष से अधिक आयु के 3131 को पहला और 21706 लोगों को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 1209 किशोरों को पहली और 14575 तो कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। 12 से 15 वर्षीय 111205 किशोरों को कोरोना का पहला डोज दिया गया। जबकि 7917 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक कुल 104558501 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

प्रियंका गांधी का प्रवेश राजनीति में कांग्रेस की सबसे बड़ी गलती: शंकरसिंह वाघेला

अहमदाबाद ।

पांच राज्यों में कांग्रेस की बुरी तरह हार को लेकर गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला की प्रतिक्रिया सामने आई है। वाघेला ने इसके लिए प्रियंका गांधी के राजनीति में प्रवेश समेत अन्य गलत फैसलों को जिम्मेदार ठहराया है। शंकरसिंह वाघेला ने पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में कांग्रेस कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाई इसकी वजह पार्टी के कुछ गलत फैसले हैं। जिसमें सबसे बड़ा गलत फैसला प्रियंका गांधी की राजनीति में एन्ट्री है। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की कमान प्रियंका गांधी को सौंप कर बड़ी गलती की थी। प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय कांग्रेस में पोलिटिकल स्टेटर्जी का अभाव है। कांग्रेस में कोई सच्चा सलाहकार नहीं रहा। फिलहाल कांग्रेस में जोड़ने के बजाए तोड़ने का काम चल रहा है। पंजाब में कैप्टन अमरिंदरसिंह अच्छे थे लेकिन वह चले गए। पंजाब में जो भी हुआ वह कांग्रेस की सबसे बड़ी हार है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने कई नेताओं को जितवाया था। आनेवाले दिनों में भाजपा के खिलाफ लड़ने के लिए कांग्रेस जरूरी है। भाजपा सरकार पर प्रहार करते हुए वाघेला ने कहा कि गुजरात में कोई सरकार है क्या? गुजरात में लोग काफी परेशान हैं। भाजपा भी मजबूत नहीं है। समस्या यह है कि कांग्रेस मजबूत नहीं है। गुजरात में एडमिनिस्ट्रेशन नहीं है और गुजरात में भाजपा हार सकती है और केवल दो महीने में उसे हराया जा सकता है। लेकिन किस प्रकार 2 महीने में हराया जाए यह अहम है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को दी होली-धुलेटी की शुभकामनाएं

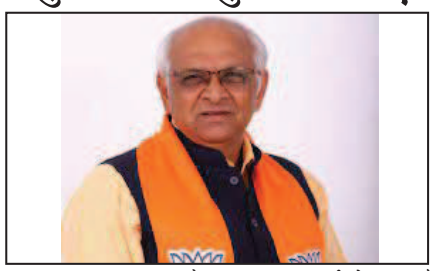

अहमदाबाद। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्य के लोगों को होली-धुलेटी की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। राज्यपाल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि होली का पर्व आसुरी शक्ति पर ईश्वरीय शक्ति का विजय दर्शाता है। धुलेटी का पर्व हर्ष-उल्लास, सहिष्णुता, समरसता और जीवन की सकारात्मकता प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने होली-धुलेंडी पर्व के उपलक्ष्य में शुभकामना देते हुए कहा कि यह पर्व समाज में प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता को उजागर कर उमंग पर्व बने। भूपेंद्र पटेल ने रंगों का यह उत्सव जीवन में उत्साह, उमंग तथा आनंद का रंग भरने वाला पर्व बनने की शुभकामनाएँ दी।

सरदार सरोवर योजना में भागीदार 3 राज्यों पर गुजरात के 7 हजार करोड़ रुपए बकाया

अहमदाबाद।

सरदार सरोवर योजना में भागीदार राज्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान पर गुजरात के रु. 1000 करोड़ से भी अधिक की रकम बकाया है। इस बकाया राशि को इन तीनों राज्यों ने अब तक गुजरात को चुकाया नहीं है। गुजरात विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक निरंजन पटेल के सवाल के उत्तर में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सदन को बताया कि राज्य अब तक तीन भागीदार राज्यों से पूंजी भागीदारी, संचालन और मेन्टन्स खर्च के लिए रु. 7225.10 करोड़ की वसूली करना बाकी है। जिसमें सबसे अधिक मध्य प्रदेश पर रु. 4953.42 करोड़ बकाया हैं। जिसके बाद महाराष्ट्र से रु. 1715.67 करोड़ और राजस्थान से 556.04 करोड़ रुपए गुजरात को लेने हैं। नर्मदा पोर्टफोलियो संभालने वाले मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने लिखित जवाब में यह जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दो साल में महाराष्ट्र ने रु. 38.16 करोड़ का भुगतान किया है। जबकि राजस्थान ने रु. 12.41 करोड़ दिए हैं, लेकिन मध्य प्रदेश ने पिछले दो साल में एक रुपया भी गुजरात को नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि तीन राज्यों से बकाया राशि की वसूली के लिए राज्य सरकार ने अक्टूबर 2021 और जनवरी 2022 में नर्मदा कंट्रोल ऑथोरिटी की बैठक में प्रतिनिधित्व किया था। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस मामले के शीघ्र समाधान के लिए गुजरात की ओर से एक आवेदन देने के बाद एक समिति और एक उप समूह समिति बनाई गई है। जिसमें भाग लेने वाले सभी चार राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं। साथ ही सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड हर महीने तीन राज्यों के अलग अलग संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर बकाया राशि का भुगतान करने को कह रहे हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)